हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, बुधवार 8 जुलाई 2026

तापमान
अधिकतम 30.4 डिग्री
न्यूनतम 23.8 डिग्री

प्रवेश प्रारंभ
श्रेयस (प्रा.) I.T.I.
Affiliated By : NCVT & DGET)
New Delhi (Govt. of India)
ट्रेड-इलेक्ट्रिशियन, कोपा, डीजल मैकेनिक, फिटर
योग्यता-10वीं पास (प्राइवेट, ओपन, पत्राचार, नियमित)
अनुभवी प्रशिक्षक
पता: ग्राम व पोस्ट ढौर (जामुल), जिला-दुर्ग (छ.ग.)
मो. 9479207995, 9993776717, 9755112637

सुपेला पुलिस थाना क्षेत्र की घटना, दो युवक और चार नाबालिग गिरफ्तार

स्कूटी खरीदने का झांसा देकर युवकों का अपहरण कर पांच घंटे तक शहर में घूमाते रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

फिल्मी स्टाइल में 4 नाबालिग और दो युवकों ने मिलकर अपहरण कर शहर भर में घूमाने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एएसपी मणीशंकर चंद्रा ने बताया कि डकैती की वारदात को अंजाम देकर पीड़ितों से कैश, मोबाइल, चांदी के जेवर, स्कूटी लूट ली। पेटीएम से भी जबरन रकम ट्रांसफर कराए गए। चाकू की नोक पर शीतला मंदिर के पास, इंद्रा नगर, सुपेला निवासी सोहेल खान,गदा चौक पंकज विश्वकर्मा समेत 4 नाबालिग ने मिलकर घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों युवकों का कबूलनामा रिकॉर्ड भी कराया है। पुलिस ने 4 नाबालिग को भी पकड़ा है। इसके अलावा दो आरोपियों की तलाश में पुलिसजुटी हुई है। पुलिस के मुताबिक, बालोद जिले के डौंडी थाना क्षेत्र की शिक्षक कॉलोनी निवासी पीड़ित 2 जुलाई की रात अपने रिश्तेदार के साथ दुर्ग-भिलाई घूमने आया था। दोनों एक बाइक और सफेद एक्टिवा स्कूटी से आए थे।

तड़के करीब 4:30 बजे गदा चौक के पास उनकी स्कूटी खराब हो गई। इसके बाद उन्होंने खड़े दो युवकों से पास में मैकेनिक की दुकान के बारे में पूछताछ किया। बात करते-करते उन युवकों ने स्कूटी खरीदने की इच्छा जताई। इस पर पीड़ित ने उसकी कीमत 15 हजार रुपए बताई। मामले में डौंडी पुलिस (बालोद) से जीरो में अपराध दर्ज कर थाना सुपेला भेजा गया। जांच में सामने आया कि घटना में शामिल दो युवक और अन्य नाबालिग हैं। मामले में दो फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। कार्रवाई में सुपेला थाना प्रभारी अंबर सिंह भरतद्वाज समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

फरार की तलाश में जुटी पुलिस

जबरन स्कूटी चोरी का बताकर लूटपाट

जब युवकों से स्कूटी के कागजात मांगे गए, तो वे उन्हें नहीं दिखा सके। इसके बाद वहां मौजूद दोनों नाबालिगों ने अपने चार अन्य साथियों को बुला लिया। सभी ने स्कूटी को चोरी की बताकर दोनों युवकों को जबरन अपने साथ लेकर गए। आरोपियों ने पीड़ितों को शहर के कई जगह घुमाते रहे और सेक्टर-6 स्थित साईं मंदिर के पास ले जाकर उनसे मारपीट भी की। इस दौरान पीड़ितों से तीन चांदी की अंगूठियां, एक चांदी का ब्रेसलेट, बिना नंबर की एक्टिवा स्कूटी, दो मोबाइल, अन्य सामान लूटकर फरार हो गए। आरोपियों ने बाइक वापस कर दी, जिसके बाद दोनों युवक किसी तरह डौंडी पहुंचे और परिजनों को पूरी घटना बताई। मारपीट में युवकों की आंख, पीठ, पसली, कंधे, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

ऑनलाइन 18 हजार भी क्यूआर से कराया ट्रांसफर

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पीड़ितों का मोबाइल लूट लिया और पेटीएम का पिन पूछकर खाते से 87 हजार 180 रुपए दूसरे क्यूआर कोड पर ट्रांसफर कराया। बैग में रखे 5 हजार रुपए कैश, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, दो एटीएम कार्ड, इलेक्ट्रिकल काम के सामान भी अपने पास रख लिए। आरोपियों ने पीड़ितों को पांच घंटे तक बाइक पर बिठाकर नगपुरा, कुरूद, ग्रीन चौक, दुर्ग के कई क्षेत्रों में घुमाते रहे। फिर पुलगांव चौक के पास चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। दोनों युवकों से जबरन वीडियो बनवाया फिर उनसे यह कहलवाया गया कि वे स्कूटी चोरी कर बेचने आए थे। आरोपियों ने शिकायत करने पर वीडियो वायरल करने और डौंडी पहुंचकर जान से मारने की धमकी भी दी।

खबर संक्षेप

देशी शराब के साथ पकड़ा गया आरोपी

भिलाई। अवैध शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। नंदिनी पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर रायपुर बायपास रोड अहिवारा स्थित चाय-नाश्ता ठेला में दबिश देकर वार्ड 1 अहिवारा निवासी . मनोज साहू उर्फ मोनू साहू को पकड़ा गया। उसके पास से पुलिस ने 45 पौवा देशी मदिरा मसाला शराब जब्त किया गया है। जिसकी कीमत 4500 रुपए आंकी गई है।

दस जुआरियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

जुआ खेल रहे दस जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वैशाली नगर पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर स्टील नगर कैम्प-1 स्थित ए. सरस्वती के मकान, सत्य साई होटल के पास, चंद्रकला उर्फ बुच्ची,कृष्णा देवी ताश खेल रहे थे। सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची और दबिश देकर कैम्प-1, सड़क नं. 18 निवासी महेश कुमार, , कैम्प 1 सुरेन्द्र प्रसाद, आर. राजु राव, सड़क 18 कैम्प 1 राजेश सोनी, पी. तरुण, के. प्रवीण कुमार, मदर टेरेसा नगर भुजंग राव, सड़क नं. 18, कैम्प-1 मोहम्मद आजाद, चंद्रकला उर्फ बुच्ची, कृष्णा देवी को पकड़ा गया। जुआरियों के पास से पुलिस ने नगदी 44 हजार 100 और 9 मोबाइल जब्त किया गया। पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 के तहत अपराध दर्ज किया है।

- वैशाली नगर पुलिस की कार्रवाई
- नगद 44 हजार और 9 मोबाइल जब्त
- मुखबिर की सूचना पर दबिश

नशीली दवाओं के साथ तीन आरोपी पकड़े गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

सूखा नशा का अवैध कारोबार करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर नेहरू नगर फ्लाईओवर के नीचे अमन खान उर्फ अमन रक्सेल,अमर साहू, पंकज उर्फ भक्का विश्वकर्मा को पकड़ा गया। इनके पास से 840 नग अल्प्राजोलम नशीली टैबलेट, मोबाइल फोन, नगदी रकम जब्त किया गया। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया है। आरोपियों के पासे से 56 स्ट्रिप (कुल 840 नग) अल्प्राजोलम 0.5 एम.जी. नशीली टैबलेट, तीन मोबाइल, नगद 1600 रुपए मिला। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि प्रतिबंधित मादक पदार्थों एवं नशीली दवाइयों के कारोबार की सूचना पुलिस को दें। समाज को नशामुक्त बनाने में नागरिकों का सहयोग महत्वपूर्ण है।

म्यूल बैंक खाता मामले में दस गिरफ्तार

भिलाई। म्यूल बैंक खाता मामले में पुलिस ने दस लोगों को गिरफ्तार किया है। दुर्ग सिटी कोतवाली पुलिस ने बताया कि जिसमें नूतन चौक, भिलाई तीन निवासी मोदित कुमार जैन,पांच रास्ता, सुपेला करण टंडन,सेक्टर एच, खुर्सीपार अवध किशोर, खुर्सीपार संकेत कुमार दास, प्रेमलाल कौशिक, ललित कुमार, दुर्गा मंदिर, खुर्सीपार रविन्द्र कौशिक, जवाहर नगर, जामुल शहबाज आलम,वृंदा नगर, सुपेला ए. सागर, गांधी कॉलोनी, सुपेला प्रीति कौर को पकड़ा गया है। इनके पास से पुलिस ने मोबाइल, बैंक पासबुक, एटीएम, आधार कार्ड जब्त किया है। पुलिस ने अब तक 123 बैंक खाताधारकों के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। वहीं, छावनी थाना क्षेत्र से 17 पर कार्रवाई किया जा चुका है।

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। अवैध शराब के साथ युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उतई पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम उमरपोटी के पास दबिश देकर भाठापारा ग्राम सेलूद उतई हिमांशु दास मानिकपुरी को पकड़ा गया। उसके पास से एक प्लास्टिक बोरी में रखी 30 पौवा देशी प्लेन शोले शराब (5.4 बल्क लीटर) तीन हजार रुपए का जब्त किया।

खबर संक्षेप

शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय सम्मान

जामगांव आर। संस्कृति मंत्रालय की इकाई सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र दिल्ली में डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपॉजिटरी सम्मान समारोह एवं 'विरासत - कमलादेवी सांस्कृतिक महोत्सव' गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपॉजिटरी (डीडीआर) प्रोजेक्ट में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य के तीन शिक्षकों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए पंकज सिंह राजपूत, शासकीय प्रोन्नत प्राथमिक शाला टिकरापारा खुरसुल, टिकेश्वर प्रसाद गजपाल शासकीय हाई स्कूल आगेसरा एवं राघवेन्द्र कुमार ध्रुव शासकीय प्राथमिक शाला उमरपोटी को नई दिल्ली स्थित सीसीआरटी परिसर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

विरोध प्रदर्शन आज

जामुल। रायपुर जिला के ग्राम नकटी गांव में शासन-प्रशासन की तोड़फोड़ के विरोध में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की ओर से आक्रोश रैली 8 जुलाई बुधवार को शाम 5 बजे जामुल नगर बाजार चौक में निकाली जाएगी। इस दौरान विरोध प्रदर्शन किया जायेगा।

माया को मिली राजनांदगांव की जिम्मेदारी

निकुम। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ द्वारा महिला मोर्चा की

जिला प्रभारी एवं सहप्रभारी की नई सूची जारी कर दी गई है। इसी क्रम में दुर्ग की सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता माया बेलचंदन को राजनांदगांव जिले का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को संगठन में महिलाओं की बढ़ती भूमिका और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के रूप में देखा जा रहा है।

निधन

नानेश कुमार शेंडे

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा व

भारतीय जनता पार्टी दुर्ग ग्रामीण के प्रथम मंडल अध्यक्ष उतई निवासी सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मी और आरएसएस के स्तंभकार नानेश कुमार शेंडे का निधन 7 जुलाई को हो गया। उनका अंतिम संस्कार 8 जुलाई को उतई के मुक्तिधाम में सुबह 11 बजे किया जाएगा। वे सुरेश कुमार शेंडे के पिता थे।

जनप्रतिनिधियों को शासकीय ई-मेल आईडी और फाइलों का डिजिटल संचालन

सरकारी दफ्तरों में अधिकारियों और कर्मचारियों को दर्ज करानी होगी 7 घंटे की हाजिरी, नहीं तो नोटिस

आयुष्मान, ई-ऑफिस और लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बायोमीट्रिक उपस्थिति में प्रतिदिन 7 घंटे की अवधि पूरी नहीं करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वतंत्रता दिवस में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को दिए जाने वाले प्रशस्ति पत्र के चयन में भी बायोमेट्रिक उपस्थिति को आधार बनाने को कहा।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम पंचायत सचिवों एवं पटवारियों के लिए भी बायोमेट्रिक उपस्थिति व्यवस्था लागू करने के निर्देश देते हुए संबंधित तहसीलदारों से आवश्यक लोकेशन उपलब्ध कराने को कहा। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को चिकित्सकों की रोस्टर ड्यूटी ई-ऑफिस के माध्यम से जारी करने के निर्देश भी दिए। समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि जनप्रतिनिधियों को भी शासकीय ई-मेल आईडी उपलब्ध कराई जाएगी। नगर निगमों के महापौर, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव तथा पार्षदों को सरकारी ई-मेल आईडी प्रदान कर शासकीय फाइलों का डिजिटल माध्यम से त्वरित संचालन सुनिश्चित किया जाएगा।

पट्टेदारों का होगा सर्वे, नए भी जारी करने की तैयारी

बैठक में पट्टाधारी सर्वे की प्रगति, शासकीय स्कूलों में बायोमीट्रिक अपडेट शिविर, निजी स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया के बाद विशेष शिविर आयोजित करने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने तथा खाद की उपलब्धता की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर ने विधानसभा प्रश्नों का समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन, जनदर्शन और पीजीएन पोर्टल पर लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि कोई आवेदन संबंधित विभाग का नहीं है तो फीडबैक में लिख दे की यह आवेदन इस विभाग से संबंधित नही है, ताकि आवेदक संबंधित विभाग में फिर से आवेदन कर सके। उन्होंने जनदर्शन में दो माह से लंबित 96 आवेदनों का भी शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

नामांतरण और बटांकन प्रकरणों का निराकरण के निर्देश

बैठक में ग्राम पंचायतों के नामांतरण एवं बंटवारा प्रकरणों में तेजी लाने, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने तथा नगरीय निकायों को जनगणना कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारियों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि उन्हें समय पर मानदेय का भुगतान किया जा सके। बैठक में वनमण्डाधिकारी दीपेश कपिल, जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव पाण्डेय, अपर कलेक्टर सिल्ली थॉमस, एसडीएम हरवंश मिरी, एसडीएम सोनल डेविड, लवकेश ध्रुव, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव सहित समस्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

अब तक बने 1300 आयुष्मान कार्ड

सभी विभागों के संविदा एवं प्लेसमेंट कर्मचारियों का आई-गॉट कर्मयोगी पोर्टल पर शत-प्रतिशत पंजीयन एवं ऑनबोर्डिंग कराने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड अभियान की समीक्षा करते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विशेष शिविरों के माध्यम से शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों के कार्ड बनाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक 1300 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता, जलजनित रोगों की रोकथाम, मच्छर नियंत्रण के लिए नियमित फॉगिंग एवं छिड़काव तथा सभी विभागों के लंबित बिजली बिलों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ट्रेजरी अधिकारी को विभागवार बिजली बिल मद में उपलब्ध बजट की सूची तैयार करने को भी कहा।

चबुतरा निर्माण और सीसी रोड कार्य के लिए किया भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

नगर पालिका परिषद जामुल क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है। नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने मंगलवार को विभिन्न वार्डों में 12 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने वार्ड 13 में 7 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड, महतारी चौक में 3 लाख रुपये से सीसी रोड और वार्ड 20 में पूर्व प्राथमिक विद्यलय परिसर में 2 लाख रुपये से चबूतरा निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार परिषद की प्राथमिकता है। सभी विकास कार्य गुणवत्ता एवं समय-सीमा के अनुरूप पूर्ण कराए जाएंगे। इससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। कार्यक्रम में पार्षद कविता विशाल, दीपक गुप्ता, तुलाराम टंडन, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, बाली बर्मन, मेवाराम कुशवाहा, विक्की, शशिकांत कुशवाहा आदि मौजूद थे।

गाड़ाडीह सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित, बनेंगे नए समीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सेलूद

जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत गाड़ाडीह की सरपंच ज्योति ध्रुव के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया है। निर्धारित बैठक में हुए मतदान में प्रस्ताव के पक्ष में 10 मत

- पक्ष में 10 और विपक्ष में 3 मत मिले, होगा नया चुनाव

पड़े। जबकि विपक्ष में 3 मत मिले। आवश्यक बहुमत मिलने के बाद अविश्वास प्रस्ताव पारित घोषित कर दिया गया, जिसके साथ ही सरपंच ज्योति ध्रुव को अपना पद गंवाना पड़ा।जानकारी के अनुसार, मतदान की प्रक्रिया नायब तहसीलदार मनोज रस्तोगी की मौजूदगी में संपन्न हुई। परिणाम घोषित होने के बाद संबंधित अधिकारियों ने अविश्वास प्रस्ताव पारित होने की औपचारिक घोषणा की। अब पंचायत में नियमानुसार नए सरपंच के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।इस घटनाक्रम के बाद ग्राम पंचायत गाड़ाडीह की राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावना जताई जा रही है।

इस अविश्वास प्रस्ताव में नायब तहसीलदार मनोज रस्तोगी,सचिव विनोद कौशिक और अनिल तिवारी सहित अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। वहीं सरपंच ज्योति ध्रुव के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित कराने की महत्वपूर्ण भूमिका पंच अखिलेश चंद्राकर की बताई जाती है। जो पिछली बार उपसरपच के चुनाव में हार गये थे।

इन पंचों ने मतदान में भाग लिया

सरपंच के खिलाफ आए अविश्वास प्रस्ताव में ग्राम पंचायत गाडाडीह की सरपंच ज्योति ध्रुव, उपसरपंच टोपेश वर्मा, लाकेश्वरी साहू, आयशा कुरैशी, अखिलेश चंद्राकर, सुनीता चक्रधारी, पीलेश्वरी गोस्वामी, त्रिवेणी यद्रु, संतोषी चंद्राकर, निर्मला बजारे, परमेश्वरी यादव, खेमलाल मधुकर और चंद्रकला डोंगरे ने मतदान में भाग लिया।

अंचल की खबरें

शाला प्रवेशोत्सव में बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

कुम्हारी। श्री मंगल विद्या निकेतन, उरला में शनिवार को शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निर्मल पारेख, विष्णु उपाध्याय, नरेंद्र राजपूत, विक्रम शाह ठाकुर, ध्रुव कुमार नायक एवं मानकचंद सेठिया रहे। कार्यक्रम में नरेंद्र राजपूत के द्वारा मेडिटेशन कराया गया। तत्पश्चात नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। साथ ही कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका हेमलता निषाद पार्षद वार्ड न. 21, एवं अन्य शिक्षक, शिक्षिकाएं, अभिभावक व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डुंडेरावासियों ने खरीदकर दिए शिक्षण किट

उतई। ग्राम डुंडेरा में समस्त ग्रामवासियों ने अपनी ओर से प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिये निशुल्क शिक्षण किट दिए। इसमे बैग, पेन, पेन्सिल, जैसे जरुरी शिक्षण सामग्री है। मुख्यअतिथि पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा क़ी बच्चों को शिक्षा के प्रति नवाचार कर सभी जरुरी किट उपलब्ध कराना ग्राम वासियों के लिये गौरव क़ी बात है, जो गांव शिक्षा के प्रति चिंतन को दर्शाता है। अध्यक्षता कर रही समाजसेवी रामेश्वरी दिवाकर गायकवाड ने बच्चों के उज्जवल भविष्य क़ी शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सतीश यादव ने कहा कि सरकारी स्कूल मे अगर सुविधाएं बढ़ाई जाये तो निश्चिन्त ही शिक्षा को ऊचाई तक पंहुचाया जा सकेगा। प्राथमिक शाला डुंडेरा के पहली से पाँचवी तक के बच्चों को निशुल्क किट दी गई। इसमें कार्यक्रम संयोजक पवन बंजारे का अहम योगदान रहा। इस दौरान प्रमुख रूप से पार्षद रोहित धनकर, अशोक साहू, खुमान यादव, रोमशंकर यादव, उमाशंकर साहू, चेतन साहू, समाजसेवी सतीश यादव, विजय साहू, संजय साहू, राकेश विश्वकर्मा, मनोज बंजारे, धनेश्वर साहू और शिक्षक नीलकमल साहू उपस्थित थे। संचालन खुमान यादव और आभार प्रदर्शन संजय साहू ने किया गया।

नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का किया स्वागत

अण्डा। शासकीय प्रोन्नत पूर्व माध्यमिक शाला, आमटी में नए शैक्षणिक सत्र के अवसर पर शाला प्रवेशोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का स्वागत करना तथा शिक्षा के प्रति उनमें सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना था। मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम आमटी की सरपंच दुर्गा पुरुषोत्तम चौधरी तथा शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कुलेश्वर प्रसाद शर्मा उपस्थित रहे। अतिथियों ने कक्षा पहली एवं कक्षा छठवीं के नवप्रवेशी विद्यार्थियों का गुलाल का तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर शासन की योजनाओं के तहत विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेश (यूनिफॉर्म) का वितरण भी किया गया। अतिथियों ने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा उज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में शिक्षाविद खोरबाहरा राम पटेल, कन्हैया चौधरी, छत्रपाल पटेल आदि उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्र में किया गया पौधारोपण

उतई। महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम मचांदूर स्थित

आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 3 में पर्यावरण संरक्षण अभियान के अंतर्गत वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा उतई मंडल के महामंत्री प्रवीण यदु शामिल हुए। अध्यक्षता आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जयंती साहू ने की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रभा साहू, शकुन यदु, तेजेश्वरी, सरस्वती पाठक, खिलेश्वर साहू,नागेश्वर साहू, पूर्णिमा,हेमा,संतोषी साहू,दीपिका, साधना,सहित महिलाएं एवं बड़ी संख्या में पालक एवं बच्चे उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रिता शर्मा पति हरि शंकर शर्मा निवासी हाउस नं. 369/330, वॉर्ड नं. 17, उत्तर वसुंधरा नगर, भिलाई-03, जिला दुर्ग, पिन-490021 (छ.ग.) यह शपथ करती हूं कि मैंने अपना पुराना नाम रीता कुमारी को त्याग कर नया नाम रिता शर्मा पति हरि शंकर शर्मा रख ली हूं। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम रिता शर्मा पति हरि शंकर शर्मा से ही जाना पहचाना जावे।

रिता शर्मा
हाउस नं. 369/330, वॉर्ड नं. 17, उत्तर वसुंधरा नगर, भिलाई-03, जिला दुर्ग, पिन-490021 (छ.ग.)

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स मे आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट

दुर्ग। दुर्ग ओम ज्वैलर्स शहर के हृदय स्थल में स्थित इंदिरा मार्केट दुर्ग शॉप नंबर 64 b प्रिया सिंगर सदन के सामने ओम ज्वैलर्स अपने भाव शोरूम के लिए जाना माना है। जहां आपको अनगिनत डिजाइन देखने को मिलता है। श्री सोनी ने बताया सोने की बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुए मासिक ई योजना चालू किए हैं जिसमें 1000 से लेकर आपके

बजट तक हर महीना का किस्त जमा कर सकते हैं। 12 महीने की रेगुलर किस्त जमा होने पर आपको एक महीने की किस्त ज्वेलर्स के द्वारा दी जाती है। सोनी ने बताया कि पैसा लाने ले जाने का जोखिम को देखते हुए घर पहुंच सेवा उपलब्ध किया गया है जिसमें अपनी पसंद की डिजाइन को खरीद कर पेमेंट आप घर से भी कर सकते हैं। इसके अलावा टोटल ऑनलाइन, चेक, एटीएम, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट किया जाता है। सोनी ने बताया कि पुराने गहने को बिल्कुल नया बनाये वो भी बिना वजन घटे। ज्वेलरी की रिपेयरिंग की तत्काल सुविधा उपलब्ध है आगे दिवाली, त्यौहार सीजन को देखते हुए नई-नई डिजाइनों की विस्तार रेंज उपलब्ध है जिसमें ग्राहक अपने मनपसंद डिजाइन बुकिंग कर पसंद की जेवर शुभ मुहूर्त पर ले जाएं। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि हमारे यहां टोटल 916 (22 कैरेट)833 (20कैरेट)एवं 750(18कैरेट) के टोटल हॉलमार्क गहने उपलब्ध है। जिसमें भारत सरकार के द्वारा 6 अंकों का डिजिट कोड एच यू आईडी अंकित किया मिलेगा पूरे शहर में सबसे कम दाम पर उपलब्ध हैं जिसमें 0% चांदी की मेकिंग चार्ज एवं सोने पर जितना सोना उतना चांदी फ्री एवं न्यूनतम मजदूरी दर के साथ ग्राहकों को उपलब्ध किया जाता है। शादी के गहने की खरीदी पर दूल्हा एवं दुल्हन को स्पेशल टूरिस्ट बैग, इंपॉर्टेंट वॉच, जीतना सोना उतना चांदी फ्री ओम ज्वेलर्स की तरफ से प्रदान किया जाता है। हमारी शॉप में हमेशा ग्राहकों का अच्छी भीड़ रहती है। नए-नए डिजाइनों का हमेशा कलेक्शन उपलब्ध रहती है इसलिए आपको हमेशा लेटेस्ट फ्रेश डिजाइन व नई वैरायटी उपलब्ध रहती है। आप एक बार शॉप अवश्य पधारे।

दांतों की समस्याओं के प्रति लापरवाही : अनजान खतरे और उनकी गंभीर जटिलताएं

भिलाई। डेंटल सर्जन डॉ. परिवेश जंघेल ने बताया कि अक्सर लोग दांतों के दर्द, मसूड़ों से खून आने या मुंह की बदबू जैसी शुरुआती समस्याओं को मामूली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। हमारे समाज में यह धारणा आम है कि जब तक दर्द असहनीय न हो, तब तक डेंटिस्ट के पास जाने की जरूरत नहीं है, लेकिन यही लापरवाही आगे चलकर बेहद भारी पड़ती है। शुरुआत में दिखने वाली

मामूली कैविटी धीरे-धीरे दांत की नस (पल्प) तक पहुंच जाती है, जिससे असहनीय दर्द होता है और अंततः रूट कैनाल ट्रीटमेंट कराना पड़ता है या दांत को हमेशा के लिए निकलवाना पड़ता है। मसूड़ों की सूजन अगर समय पर ठीक न की जाए, तो वह पायरिया का रूप ले लेती है, जिससे दांतों को सहारा देने वाली हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और स्वस्थ दांत भी हिलकर गिरने लगते हैं। एक जरूरी वैज्ञानिक तथ्य: मुंह में पनपने वाले बैक्टीरिया सिर्फ दांतों तक सीमित नहीं रहते। वे मसूड़ों की खून की नसों के जरिए पूरे शरीर में फैल सकते हैं, जिससे हृदय रोग, अनियंत्रित डायबिटीज और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा, दांतों की खराबी के कारण भोजन ठीक से न चबा पाने से पाचन तंत्र बिगड़ जाता है, जो शरीर को अंदर से कमजोर करने लगता है। इसलिए, मुंह की समस्याओं को केवल 'दांत का दर्द' समझना एक बड़ी भूल है; यह पूरे शरीर के स्वास्थ्य से जुड़ी एक गंभीर चेतावनी है।

गुरु मंत्रा क्लासेस में प्रवेश प्रारंभ, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का भरोसा

भिलाई। भिलाई स्थित गुरु मंत्रा क्लासेस की डायरेक्टर अल्पना त्रिपाठी ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। संस्थान में कक्षा 6 से 8 तक सभी विषय, कक्षा 9 एवं 10 के लिए गणित और विज्ञान तथा कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों के लिए पीसीएमबी की विशेष कोचिंग उपलब्ध कराई जा रही है। संस्थान में डाउट क्लियरिंग सेशन, नियमित टेस्ट, रिवीजन, काउंसलिंग एवं मेंटरिंग के साथ कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। हाल ही में सीबीएसई कक्षा 10 के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में श्रेयसी (96%), अमन (94.4%), अथर्व (94%), विभक्ति

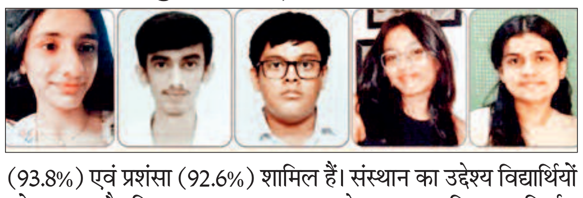

(93.8%) एवं प्रशंसा (92.6%) शामिल हैं। संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को मजबूत शैक्षणिक आधार प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है। प्रवेश के इच्छुक अभिभावक एवं विद्यार्थी गुरु मंत्रा क्लासेस, 15ए स्ट्रीट-1, मैत्रीकुंज, रिसाली, भिलाई में संपर्क कर सकते हैं।

नवप्रवेशी बच्चों को दिए पुस्तकें और गणवेश

अंडा। ग्राम चिंगरी स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में मंगलवार को शाला प्रवेशोत्सव 2026-27 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम सरपंच पुष्पा वागमारे थीं। विशिष्ट अतिथि शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष विश्राम सिंह

दिल्लीवार, बेला यादव, शिक्षाविद वेदनाथ भारद्वाज एवं मध्यान्ह भोजन संचालक गीतांजलि साहू उपस्थित रहीं। समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ कार्यक्रम का संचालन प्रधान पाठक जितेन्द्र चन्द्राकर एवं मेघराज ध्रुव ने किया। नवप्रवेशियों का स्वागत मुख्य अतिथि द्वारा तिलक लगाकर और मुंह मीठा कराकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सभी नए बच्चों को पाठ्यपुस्तकें एवं गणवेश का वितरण भी किया गया।

सोमनाथ
मल्लिकार्जुन
महाकालेश्वर
ओम्कारेश्वर
वैद्यनाथ
भीमाशंकर
रामेश्वरम्
नागेश्वर
काशी विश्वनाथ
त्र्यंबकेश्वर
केदारनाथ
घृष्णेश्वर
भिलाई नगर निगम के स्वतंत्र पार्षद
अधिवक्ता हरिओम तिवारी जी, को
जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
08 जुलाई
राजेश चौधरी
जोन 5 अध्यक्ष, पार्षद भिलाई नगर
श्रीमति रानू
पार्षद वैशाली नगर
राजू साहू
युवा नेता वैशाली नगर
रवि शंकर
पार्षद वैशाली नगर
सेवन कुमार
पार्षद भिलाई नगर
श्री उमेश साहू
पार्षद भिलाई नगर
श्री जीतेन्द्र बंजारे
युवा नेता भिलाई नगर
श्री मीरा बंजारे
पार्षद भिलाई नगर
श्रीमती अनिता अजय साहू
पार्षद वैशाली नगर
श्री अजय साहू
युवा नेता वैशाली नगर
श्रीमती गायत्री उपाध्याय
अधिवक्ता दुर्ग
टुना हाजरा
अधिवक्ता दुर्ग
श्री थानेश्वर सिन्हा
अधिवक्ता दुर्ग
श्रीमती पुनम ताम्रकार
अधिवक्ता दुर्ग
श्रीमती कामेश्वरी सिन्हा
अधिवक्ता दुर्ग
रविना
अधिवक्ता दुर्ग
श्री आशुतोष
अधिवक्ता दुर्ग
श्री हेमशंकर
अधिवक्ता दुर्ग
श्री लक्की सूर्यावंशी
अधिवक्ता दुर्ग
श्री ऋषिचन सिंग साहू
अधिवक्ता दुर्ग
संस्कृति
अधिवक्ता दुर्ग
श्री घनश्याम साहू
अधिवक्ता दुर्ग
श्री पंकज
अधिवक्ता दुर्ग
कांति साहू
वार्ड 01, खम्हरिया
श्रीमती ललिता साहू
वार्ड 01, खम्हरिया
श्री अमोल राव मेश्राम
मॉडल टाऊन वार्ड 03
श्री योगेन्द्र साहू
वार्ड 01, जुनवानी
श्री गोविन्द यादव
मॉडल टाऊन, वार्ड 03
श्री अखिलेश सूर्यावंशी
मॉडल टाऊन वार्ड 03
श्री धर्मेन्द्र भारती
विनोबा नगर वार्ड 03
श्री गोकुल विश्वकर्मा
खम्हरिया, वार्ड 01
श्री ओमप्रकाश साहू
खम्हरिया, वार्ड 01
श्री योगेन्द्र विश्वकर्मा
खम्हरिया, वार्ड 01
श्री देवेन्द्र कुमार
खम्हरिया, वार्ड 01
श्री बख्तावर सोनवानी
मॉडल टाऊन, वार्ड 03
श्री चितरंजन साहू
खम्हरिया, वार्ड 01
श्री मधुसुदन डहरिया
खम्हरिया, वार्ड 01
श्री मो. आसिफ
विनोबा नगर, वार्ड 03
कमल नारायण तिवारी
खम्हरिया, वार्ड 01
श्री कान्हा ठाकुर
मॉडल टाऊन, वार्ड 03
अधिवक्ता
हरिओम तिवारी जी,
पार्षद भिलाई निगम
वार्ड 03
श्री रोशन साहू
जुनवानी, वार्ड 01
श्री राजा साहू
जुनवानी, वार्ड 01
श्री रेखु साहू
जुनवानी, वार्ड 01
श्री मनीष शर्मा
मॉडल टाऊन, वार्ड 03
श्री सनत निर्मलकर
मॉडल टाऊन वार्ड 03
श्री अशोक महतो
मॉडल टाऊन, वार्ड 03
श्री ललित देवांगन
खम्हरिया, वार्ड 01
श्री हरिश राव वानखेड़े
मॉडल टाऊन वार्ड 03
श्री मिलेन्द्र निर्मलकर
वार्ड 01, जुनवानी

महावीर कॉलोनी में नाली का घटिया निर्माण

मानकों में कमी मिलने पर ठेकेदारों को कड़ी फटकार सुधार नहीं होने पर काम रोकने व ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड 38 बैद्यनाथ पारा स्थित महावीर कॉलोनी क्षेत्र में लगभग 15-15 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन दो नाली निर्माण के दौरान घटिया काम किए जाने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने पर महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, पार्षद रामचंद्र सेन, अधिकारियों एवं संबंधित ठेकेदारों के साथ स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यह गड़बड़ी सामने आई। महापौर ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, गहराई, चौड़ाई तथा उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री का बारीकी से परीक्षण कराया। स्थानीय नागरिकों द्वारा नाली निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किए जाने की शिकायत पर उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली तथा निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए। देव नारायण चन्द्राकर ने स्वयं टेप से नालियों की नाप-जोख कराया। निरीक्षण के दौरान निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य नहीं पाए जाने पर उन्होंने संबंधित एजेंसी एवं ठेकेदारों के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए राजीव झा तथा संबंधित ठेकेदारों को सख्त फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि निर्माण कार्य में तत्काल सुधार नहीं किया गया तो कार्य रोकने के साथ-साथ संबंधित ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी।

गुणवत्ता पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं, कार्रवाई के निर्देश

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा कराए जा रहे प्रत्येक विकास कार्य में गुणवत्ता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है। शासन की मंशा के अनुरूप किसी भी निर्माण कार्य में लापरवाही, अनियमितता या मानकों से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता अथवा गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को ठेकेदार राजीव झा एवं मनीष सोनी और राहुल सिंह के विरुद्ध आवश्यक जांच के लिए सैंपल लेकर लैब भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद जिस फर्म के द्वारा गलत कार्य किया जा रहा पाया जाएगा। ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए।

निष्पक्ष जांच के बाद दोष सिद्ध होने पर ब्लैक लिस्टेड होगी एजेंसी

महापौर ने साथ ही निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी निर्माण कार्य में बरती जा रही कथित अनियमितताओं से महापौर को अवगत कराया। महापौर ने सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। निरीक्षण के दौरान पार्षद रामचंद्र सेन, पार्षद रंजीता पाटिल, पार्षद सुरूचि उमरे, पार्षद सावित्री दमाहे,ललिता ठाकुर, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, उप अभियंता मोहित मरकाम सहित नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

चिकित्सा परामर्श शिविर में लोग हुए लाभान्वित

भिलाई। गुरु घासीदास सेवा समिति सतनाम भवन सेक्टर-6 भिलाई के तत्वावधान में सर्व समाज के जरूरत मंद लोगों के लिए निःशुल्क चिकित्सा और परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। महासचिव एन आर गिलहरे ने बताया कि निःशुल्क चिकित्सा परामर्श सेवाएं देने डॉ. जीवन लाल घीड़ले पेट, लीवर रोग विशेषज्ञ सेवानिवृत बीएसपी हॉस्पिटल सेक्टर -9, डॉ. एडी बनर्जी छाती रोग विशेषज्ञ सेवानिवृत बीएसपी हॉस्पिटल सेक्टर-9, डॉ. संगीता पात्रे प्रसूति, स्त्री रोग, निः संतानता विशेषज्ञ तथा डॉ. रितु कुर्रे चर्म रोग विशेषज्ञ मौजूद थे।

वृद्ध लापता, अपहरण की आशंका, थाने में शिकायत

भिलाई। घर ने बिना बताए निकले 79 वर्षीय रसीद अचानक लापता हो गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक वे फलक नुमा मस्जिद, जुनवानी रोड के पास स्थित अपने घर से रसीद निकले थे। अब तक अपने घर नहीं पहुंच पाए है। परिजनों ने आसपास खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वे शर्ट एवं पैंट पहने, हाथ में पीले रंग का थैला है। अपहरण की आशंका बनी हुई है। बहरहाल पुलिस मामले में पतासाजी कर रही है। बुजुर्ग के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

पावर हाउस फल मंडी में गंदगी का अंबार

भिलाई। पावर हाउस फल मंडी में कचरों की भरमार है, जिससे गंदगी व बदबू का वातावरण है। कोई सुध नहीं ले रहा, इतनी गंदगी और बदबू आ रही है। सूर्य नगर बस्ती में सड़े-गले फल को फेंक दिया जाता है। निगम में कई बार बस्ती के लोगों ने अपनी समस्या को बताया उसके बाद भी उसका समाधान नहीं निकला फल मंडी वाले फल को पूरा वहीं फेंक देते हैं, जिससे फल सड़ जाता है। पूरा बदबू से वहां के रहवासी परेशान है। निगम के अधिकारियों ने इसकी सुध नहीं ले रहा है।

हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी पोर्टल में प्रवेश के लिए पहला चरण पूर्ण

160 कॉलेजों में 51 हजार सीटों के लिए अब तक 49 हजार आवेदन, बीए में 4,258 आवेदन ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय से संबद्ध करीब 160 सरकारी कॉलेजो में प्रवेश के पहले चरण में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में आवेदन किए हैं। सत्र 2026-27 के लिए उपलब्ध 51,149 सीटों के मुकाबले 49,171 आवेदन प्राप्त हुए हैं। खास बात यह है कि पिछले साल यानी वर्ष 2025-26 में प्रवेश प्रक्रिया समाप्त होने के बाद 10 हजार से ज्यादा सीटें खाली रह गई थी। इस बार विद्यार्थियों को एक साथ 10 कॉलेजों तक विकल्प चुनने की सुविधा दी गई थी, इसलिए आवेदन ज्यादा हुए हैं। वहीं यूनिवर्सिटी ने मोबाइल के माध्यम से भी प्रवेश आवेदन फार्म भरवाएं हैं।

बीए में 17080 सीटों के लिए 21338 आवेदन

सबसे ज्यादा प्रवेश के लिए मारामारी की स्थिति बीए (बैचलर ऑफ आर्ट्स) में है। बीए की 17,080 सीटों के लिए 21,338 आवेदन प्राप्त हुए हैं। यानी सीटों से 4,258 अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन फार्म भरा है। जिसकी वजह से प्रवेश के लिए मारामारी की स्थिति बन गई है।

एक साथ 10 कॉलेज चुनने की दी गई थी सुविधा

फैक्ट फाइल

संबद्ध कॉलेज :	160
कुल सीटें :	51,149
कुल आवेदन :	49,171
सबसे अधिक आवेदन :	बीए (21,338)
सबसे कम आवेदन :	डीसीए (227)

बीएससी में 16 हजार आवेदन

बीएससी प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए भी इस बार विद्यार्थियों की दिलचस्पी अच्छी है। हालांकि सीटों से कम आवेदन आए हैं लेकिन पिछले साल से ज्यादा आवेदन हुए हैं। बीएससी में 18,170 सीटों के मुकाबले 16,338 आवेदन आए हैं। जिसमें दुर्ग भिलाई के नामी कॉलेजों के लिए अधिक आवेदन किए गए हैं। मसलन शासकीय कन्या महाविद्यालय, शासकीय कॉलेज वैशालीनगर, शासकीय कॉलेज भिलाई तीन आदि शामिल हैं।

बीकॉम में इस बार 9578 आवेदन

बीकॉम प्रथम वर्ष में दाखिले के लिए 12,659 सीटों के लिए आवेदन मंगवाए गए। इन सीटों के मुकाबले 9,578 आवेदन आए हैं। यानी 3081 सीटें अभी भी खाली है। कामर्स संकाय में दाखिले के लिए पिछले साल ज्यादा विद्यार्थियों ने फार्म भरे थे। इस बार शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग, शासकीय महाविद्यालय धमधा, शासकीय महा विद्यालय उतई, शासकीय महाविद्यालय भिलाई तीन, शासकीय महाविद्यालय पाटन आदि में कामर्स संकाय में आवेदन ज्यादा हुए हैं।

होम साइंस , डीसीए और बीबीए कोर्स में सबसे कम आवेदन

हेमचंद यूनिवसिटी ने बीबीए की 1,020 सीटों में प्रवेश के लिए आवेदन मंगवाए थे। इस कोर्स को करने के लिए विद्यार्थियों में दिलचस्पी आधी रह गई है। केवल 527 आवेदन प्राप्त हुए हैं। डीसीए (डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन) में 1,475 सीटें है लेकिन महज 227 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। वहीं बीएससी (होम साइंस) की 270 सीटों के लिए सबसे कम 93 आवेदन जमा हुए हैं।

पीजी साइंस में प्रवेश के लिए 1457 आवेदन

कॉलेजों में एमएससी प्रवेश के लिए भी विद्यार्थियों से आवेदन मंगवाए गए हैं। जिसमें एमएससी जूलॉजी विषय के लिए 417 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। एमएससी बॉटनी पढ़ने के लिए 373 और एमएससी केमिस्ट्री कोर्स करने के लिए 328 विद्यार्थियों के आवेदन फार्म मिले हैं। इस तरह कुल पीजी साइंस प्रवेश के लिए कुल 1457 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है।

15 जुलाई तक ले सकते हैं प्रवेश

यूनिवर्सिटी ने पहले चरण का सभी कॉलेजों में मेरिट सूची जारी कर दी है। मेरिट सूची के आधार पर विद्यार्थियों को 15 जुलाई तक प्रवेश लेने के लिए मौका मिलेगा। उसके बाद जो विद्यार्थी प्रवेश नहीं लेंगे उनकी सीटों पर प्रवेश के लिए दूसरा चरण 16 से 26 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन मंगवाए जाएंगे।

बीए में सबसे ज्यादा 17080 सीटें

पाठ्यक्रम	सीटें	आवेदन
बीए	17,080	21,338
बीएससी	18,170	16,338
बीकॉम	12,659	9,578
बीसीए	1,475	1,070
बीबीए	1,020	527
डीसीए	1,475	227

संपत्तिकर सर्वे अभियान शुरू, बीएसपी क्षेत्र के भवनों का होगा नया नाप-जोख

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई ने संपत्तिकर निर्धारण और कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के आदेशानुसार बीएसपी क्षेत्र में निर्मित भवनों एवं भूमियों का व्यापक परिमाप (सर्वे) अभियान शुरू कर दिया गया है। इस अभियान की शुरुआत सेक्टर-6 स्थित एम.जी.एम. स्कूल के पास सड़क एवेन्यू-ए में बने भवनों के माप-जोख से की गई। निगम की टीम प्रत्येक भवन का वास्तविक क्षेत्रफल, निर्माण की स्थिति एवं अन्य आवश्यक विवरण दर्ज कर संपत्तिकर निर्धारण के लिए आधार तैयार कर रही है। निगम प्रशासन का कहना है कि इस सर्वे का उद्देश्य संपत्तिकर निर्धारण में पारदर्शिता लाना, वास्तविक निर्माण के अनुसार कर निर्धारण करना तथा राजस्व व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है। आने वाले दिनों में बीएसपी क्षेत्र के अन्य सेक्टरों में भी यह अभियान चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा। सर्वे कार्य के दौरान निगम के सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, सहायक राजस्व निरीक्षक प्रहलाद लहरे तथा राजस्व अमला गणित बघेल, टेकराम हरिन्द्रवार और प्रकाश महलवार मौजूद रहे। निगम की टीम ने मौके पर भवनों का माप लेकर आवश्यक अभिलेख तैयार किए।

शराब भट्टी मामले में आप कार्यकर्ताओं को मिली जमानत

भिलाई। खुर्सीपार के वार्ड 51 शिवाजी नगर में सरकारी शराब दुकान खोले जाने के विरोध में हुए 13 दिवसीय विरोध प्रदर्शन के मामले में मंगलवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सहित अन्य को जमानत मिल गई। न्यायालय ने जसप्रीत को 3 हजार के मुचलके पर रिहा करने का आदेश जारी किया है। गौरतलब है कि शिवाजी नगर के रहवासी इलाके में खोली जा रही शराब भट्टी के विरोध में स्थानीय महिलाओं ने मोर्चा खोला था।

जसप्रीत सिंह विरोध प्रदर्शन में शामिल थे। जसप्रीत ने कहा कि नाकामी छिपाने के लिए सरकार ने बदले की भावना से उर्मिला, अनीता नायक, अमजद अली, सागर राम चंद्राकर, सरिता सिंह, तिलक कुमार, शंकर लाल और पिंकी शर्मा समेत अन्य पर एफआईआर किया गया था।

गनियारी पहुंचे मंत्री गजेन्द्र, तीजन बाई के श्रद्धांजलि कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर परिजनों से की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव आज प्रसिद्ध पंडवानी गायिका दिवंगत डॉ. तीजन बाई के गृहग्राम गनियारी स्थित निवास पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवारजनों से भेंट कर संबल बंधाया और 14 जुलाई को होने वाले श्रद्धांजलि कार्यक्रम की तैयारी पर चर्चा की।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर स्व. तीजन बाई के ग्राम गनियारी में आयोजित होने वाले दशगात्र एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर परिवारजनों से चर्चा किये। जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिवंगत तीजन बाई के प्रशंसक और कला जगत से आने लोगों के लिए बैठक और भोजन व्यवस्था सहित सभी कार्यक्रम गरिमापूर्ण औ सुव्यवस्थित ढंग से

■ गरिमापूर्ण कार्यक्रम के लिए प्रशासन के साथ की बैठक

आयोजित हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की उनके परिवारजनों से जानकारी ली । श्री यादव ने परिजनों को आश्वासन दिया की शासन हर संभव सहयोग के लिए दिवंगत तीजन बाई के परिजनों के साथ है। इस अवसर पर भिलाई तीन- चरौदा के महापौर निर्मल कोसरे, गनियारी के नागरिकों, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित जिला प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित थे।

तीजन को बीएसपी ने दी श्रद्धांजलि

भिलाई। अंतर्राष्ट्रीय पंडवानी गायिका और सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मचारी पद्म विभूषणतीजन बाई की स्मृति में इस्पात भवन के सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारतीय लोकसंस्कृति एवं पंडवानी परंपरा के संरक्षण और संवर्धन में उनके योगदान को स्मरण किया। कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, महाप्रबंधक प्रभारी अमूल्य प्रियदर्शी, जीएम संजय द्विवेदी सहित क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं, संपर्क, प्रशासन एवं पीआर के कर्मी अधिकारी उपस्थित थे। पवन कुमार ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि तीजन बाई ने विशिष्ट पंडवानी शैली के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोककला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनका निधन भिलाई इस्पात संयंत्र परिवार के लिए भी अपूरणीय क्षति है।श्री प्रियदर्शी ने कहा कि तीजन बाई का संपूर्ण जीवन कला-साधना, संघर्ष और समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। कार्यक्रम का संचालन सुप्रियो सेन ने किया।

धमकी देने के मामले में दो दोषी करार, न्यायालय ने सुनाई सजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

शहर के कारोबारी और सर्व समाज कल्याण समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू को जान से मारने की धमकी देने के मामले में दुर्ग कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। न्यायालय ने 2 आरोपियों को दोषी करार देते हुए 1-1 साल साधारण कारावास और 500-500 जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना नहीं देने पर 10 दिन की अतिरिक्त जेल होगी। मिली जानकारी जानकारी के मुताबिक दोषी करार दिए गए आरोपी हैं राजेश कुमार गुप्ता और समाजसेवी स्व. मंगा सिंह के बेटे सतबीर सिंह उर्फ सोनू है। कुछ साल पहले 3 जनवरी को इंद्रजीत सिंह छोटू की हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी, हथखोज भिलाई के ऑफिस में पंजीयन डाक से सफेद लिफाफा आया था। लिफाफे के अंदर धमकी भरा पत्र था जिसमें उल्लेख था कि छोटू क्यों इतना दुश्मनी पाल रहा है। पूरे शहर से दुर्ग से रायपुर तक तेरे पीछे आदमी लग गए हैं। तुझे मारने के लिए आदमी बाहर से आ गए हैं। इतना पैसा क्या करेगा। पत्र मिलने के बाद इंद्रजीत सिंह छोटू ने तत्काल भिलाई तीन पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने धारा 506, 507 के तहत अज्ञात के अपराध दर्ज किया। जांच शुरू करने के बाद पता चला कि धमकी भरा पत्र सेक्टर-2 पोस्ट ऑफिस से भेजी गई थी।

■ 500 जुर्माना, नहीं दिया तो 10 दिन अतिरिक्त सजा

न्यायालय ने कहा

सजा के बिंदु पर सुनवाई में आरोपियों के वकील ने पहला अपराध बताकर परिवीक्षा या सिर्फ जुर्माने की मांग की। लेकिन अभियोजन ने कड़ी सजा की मांग की। न्यायालय ने कहा कि धारा 507 ए में धमकी के साथ 2 साल तक की सजा का प्रावधान है। अपराध की गंभीरता और लंबे समय से लंबित प्रकरण को देखते हुए कोर्ट ने दोनों को धारा 506 में 6 माह 500 जुर्माना धारा 507 में 6 माह साधारण कारावास कुल 1 साल जेल और 500 अर्थदंड की सजा सुनाई। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि जुर्माना जमा न करने पर 10 दिन अतिरिक्त जेल होगी। सजा वारंट तैयार कर दोनों को केन्द्रीय जेल दुर्ग भेजा जाएगा।

एनसीओए ने दिल्ली में डीपीई सचिव से की पीआरसी के जल्द गठन की मांग

चतुर्थ वेतन संशोधन समिति के गठन में विलंब, खामियाजा भुगत रहे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

चौथे वेतन पुनरीक्षण समिति में लेटलतीफी की कीमत सेल सहित देश के लाखों अधिकारियों को चुकानी पड़ रही है। इसे देखते हुए एनसीओए ने लोक उद्यम (डीपीई) चौथे वेतन पुनरीक्षण समिति के जल्द गठन और वहनीयता की शर्त को खत्म करने और लंबित पीआरपी के जल्द भुगतान की मांग की है। सचिव ने आश्वस्त किया है।

एनसीओए के अध्यक्ष एमएल अडसुल, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर, चेयरमैन वीके तोमर तथा सेफी के उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के सचिव के मोसेस चलई से दिल्ली में मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि वर्तमान में सभी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम अत्यंत प्रतिस्पर्धी एवं गतिशील वातावरण में कार्य कर रहे हैं, जहाँ उन्हें घरेलू एवं वैश्विक निजी क्षेत्र की कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा

का सामना करना पड़ रहा है। ये उद्यम राष्ट्र निर्माण, अधोसंरचना विकास, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल विस्तार तथा अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।इसलिए । लेकिन चौथे पीआरसी गठन में विलंब से नुकसान हो रहा है।

1 जनवरी 2027 से प्रभावी होने वाली चौथी वेतन पुनरीक्षण समिति का गठन अभी तक नहीं किया गया है। एनसीओए ने मांग की कि समिति के गठन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए। क्योंकि तृतीय वेतन संशोधन समिति का गठन 9 जून 2016 को किया गया था तथा केंद्र सरकार के अनुमोदन के बाद सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा 3 अगस्त 2017 को वेतन संशोधन आदेश जारी किए गए, जो 1 जनवरी 2017 से प्रभावी थे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वेतन पुनरीक्षण समितियों का समय पर गठन एवं क्रियान्वयन सीपीएसई के अधिकारियों के वेतन, भत्तों तथा अन्य सेवा लाभों के संशोधन के माध्यम से उनका मनोबल बढ़ाने के लिए आवश्यक है। इससे संगठनों की कार्यकुशलता एवं उत्पादकता में भी वृद्धि होती है। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसईएस) सरकार की नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन, देश के सामाजिक-आर्थिक विकास, रणनीतिक प्रगति तथा राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एनसीओए के अध्यक्ष श्री बंछोर ने बताया कि सचिव ने मांगों पर आश्वस्त किया है।

वहनीयता (अफोर्डेबिलिटी) शर्त को खत्म करें

एनसीओए ने वेतन पुनरीक्षण नीति से अफोर्डेबिलिटी क्लासेस (वहनीयता शर्त) को हटाने की मांग की। सचिव ने आश्वासन दिया कि चौथी पीआरसी के कार्यादेश तैयार करते समय डीपीई सकारात्मक एवं संतुलित दृष्टिकोण अपनाएगा। आरआईएनएल एवं सेल से संबंधित मुद्दों के निदान की भी मांग की गई। एनसीओए ने आरआईएनएल प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों के वेतन को दैनिक उत्पादन से जोड़ दिया गया है।इस प्रकार की व्यवस्था न तो डीपीई के किसी दिशा-निर्देश द्वारा समर्थित है और न ही किसी वर्तमान सरकारी नीति के अनुरूप है। सेल के अधिकारियों को इंक्रीमेंटल पीआरपी के लंबित भुगतान की मांग पर सचिव ने समुचित जांच एवं विचार किये जाने की बात कही।प्रतिनिधिमंडल ने बीएसएनएल एवं एमटीएनएल से जुड़े विभिन्न लंबित मामलों पर भी चर्चा की तथा उनके शीघ्र समाधान हेतु डीपीई से आवश्यक हस्तक्षेप करने की भी मांग की।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, बुधवार 8 जुलाई 2026
Email id- haribhoomibhilai@gmail.com
0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

02 बुद्धि और संयम की बाजी में 84 ...

लाइव इवेंट

नवीन शैक्षणिक सत्र के अवसर पर समग्र शिक्षा अभियान के तहत संचालित छात्रावास में जीई फाउंडेशन की पहल

भिलाई। नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर सामाजिक संगठन गोल्डन एम्पथी फाउंडेशन ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संजीवनी बालिका आवासीय छात्रावास, दुर्ग में छात्राओं के लिए स्कूल बैग, नोटबुक एवं स्टेशनरी का वितरण किया। इस अवसर पर वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से जरूरतमंद छात्राओं को आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना, शिक्षा के प्रति उनका आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उन्हें बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करना रहा। उपस्थित अतिथियों ने छात्राओं को नए शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं देते हुए लगन, अनुशासन एवं निरंतर परिश्रम के साथ शिक्षा प्राप्त करने का संदेश दिया। जीई फाउंडेशन द्वारा वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर किए जा रहे प्रयासों की श्रृंखला में यह कार्यक्रम भी एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

इस अवसर पर जीई फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने कहा कि संजीवनी बालिका आवासीय छात्रावास की बेटियां कठिन परिस्थितियों के बावजूद जिस लगन और मेहनत से अपने सपनों को साकार करने का प्रयास कर रही हैं, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए। कार्यक्रम में सीता अग्रवाल, सहायक परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, दुर्ग तथा धनेश्वरी साहू, अधीक्षिका, संजीवनी बालिका आवासीय छात्रावास, दुर्ग उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में संतोषी निर्मलकर एवं छात्रावास के समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। संस्था की सुभागा सुरेश, डॉ. ज्योति पिल्लई, सुरुचि टावरी, मृदुल शुक्ला, अनुपमा मेश्राम, मोनिका सिंह, भारती वर्मा, पार्थ टावरी एवं अजीत सिंह उपस्थित रहे।

लाइव इवेंट

युवाओं के नवाचारों को व्यावसायिक अवसरों से जोड़ने पर हुआ मंथन

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, भिलाई इकाई एवं रूंगटा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मध्य उद्योग, नवाचार एवं तकनीकी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 6.0 तथा फ्रंटियर टेक्नोलॉजी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई। इस दौरान नवाचार आधारित उद्यमिता, स्टार्टअप संस्कृति, तकनीकी अनुसंधान तथा उद्योगों की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए विद्यार्थियों एवं युवा नवप्रवर्तकों की सहभागिता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में उद्योग जगत चेम्बर के साथ व रूंगटा कालेज के बीच समन्वय स्थापित कर युवाओं के नवाचारों को व्यावसायिक अवसरों से जोड़ने, जिससे नए स्टार्टअप विकसित हों तथा एमएसएमई क्षेत्र को नई तकनीकों का लाभ दिलानें पर चर्चा की गई। दोनों संस्थानों ने भविष्य में संयुक्त रूप से कार्यशालाओं, सेमिनारों, हैकथॉन एवं नवाचार आधारित कार्यक्रमों के आयोजन की दिशा में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की। महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि इस पहल से क्षेत्र के युवाओं, उद्योगों एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में महामंत्री अजय भसीन, भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा, महिला चेम्बर प्रभारी सरोजनी पाणिग्रही, अमन मिश्रा, शंकर सचदेव, सुनील मिश्र, निरंकार सिंह व रूंगटा कालेज से जी.वेणुगोपाल और अनुराग शर्मा उपस्थित थे।

जिला स्तरीय रोजगार मेला 10 जुलाई को पोटिया में

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग एवं हेमचंद यादव विश्वविद्यालय जिला-दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में 10 जुलाई को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय नया भवन परिसर पोटिया दुर्ग में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। उप संचालक रोजगार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र से मिली जानकारी के अनुसार रोजगार मेला के लिए कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आई.टी.आई., डिप्लोमा इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग स्नातक, एम.बी.बी.एस., बी.ए.एम.एस., नर्सिंग, जी.एन.एम., ए.एन.एम., डिप्लोमा पैरामेडिकल एवं अन्य योग्यताधारी आवेदकों के लिए कुल 15 नियोजकों से 1342 तकनीकी एवं गैर तकनीकी रिक्तियों प्राप्त हो चुकी है। जिसकी जानकारी रोजगार विभाग के वेबसाईट www.erojgar.cg.gov.in अथवा छत्तीसगढ़ रोजगार एप पर उपलब्ध है। इच्छुक आवेदक ऑनलाईन आवेदन कर सकते है जिसके लिए रोजगार पंजीयन करवाना आवश्यक है। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में संपर्क कर सकते हैं।

रूंगटा यूनिवर्सिटी में विकसित हुई इस नई तकनीक को भारत सरकार ने दिया पेटेंट...

बिना टैग लगाए होगी वन्यजीवों की लाइव गिनती, शिकारियों को पहचानेगा एआई, सिस्टम को अपग्रेड करेगी युनीवर्सिटी टीम

भिलाई। जंगलों में रहने वाले बाघ, हाथी और अन्य दुर्लभ वन्यजीवों की पहचान और गिनती के लिए अब उन्हें टैग लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। नई स्मार्ट तकनीक कैमरे, सेंसर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से खुद ही वन्यजीवों की पहचान करेगी, उनकी संख्या बताएगी और उनकी गतिविधियों पर नजर रखेगी। यही नहीं, जंगल में आग लगने, शिकारियों की मौजूदगी या किसी अन्य खतरे की स्थिति बनने पर यह प्रणाली तुरंत अलर्ट जारी करेगी, ताकि समय रहते वन विभाग कार्रवाई कर सके। यह तकनीक रूंगटा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में विकसित की गई है, जिसे भारत सरकार के कोलकाता पेटेंट कार्यालय ने पेटेंट जारी कर दिया है। यह रिसर्च रूंगटा यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. मंजू सांघी, डॉ. केपी रेशमा, डॉ. शुभ्रा शर्मा और देवाश्री भट्टाचार्य ने मिलकर की है। यह सभी वैज्ञानिक जल्द ही इन तकनीक का डेमो वन विभाग को देंगे। जिसके बाद विभागीय जरूरतों को भी इसमें जोड़ा जा सकेगा।

कैसे काम करेगी तकनीक

वन्यजीवों की निगरानी के लिए अभी तक कई जगहों पर जानवरों को रेडियो कॉलर या टैग लगाकर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। नई प्रणाली इस प्रक्रिया को आसान बनाने का दावा करती है। इसमें जंगल के अलग-अलग हिस्सों में लगाए गए कैमरे, सेंसर और ध्वनि पहचानने वाली तकनीक की मदद से किसी भी दुर्लभ वन्यजीव की मौजूदगी का पता लगाया जा सकेगा। कैमरे से मिलने वाली तस्वीरों और वीडियो का विश्लेषण कर सिस्टम खुद ही बताएगा कि जंगल में कौन-सा वन्यजीव है और उसकी संख्या कितनी है। इस तकनीक में एआई और डीप लर्निंग का उपयोग किया गया है। सिस्टम केवल जानवर की पहचान ही नहीं करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि वह चल रहा है, आराम कर रहा है या भोजन कर रहा है। यदि किसी वन्यजीव की आवाज सुनाई देती है तो ध्वनि विश्लेषण के आधार पर भी उसकी मौजूदगी की पुष्टि की जा सकेगी। इससे वन विभाग को वन्यजीवों की वास्तविक स्थिति और उनकी गतिविधियों की लगातार जानकारी मिलती रहेगी।

शिकारियों की गतिविधियों पर लगेगा अंकुश

नई प्रणाली जंगल के वातावरण पर भी लगातार नजर रखेगी। इसके लिए तापमान, नमी, हवा की गति, बारिश और अन्य मौसम संबंधी जानकारियां जुटाने वाले सेंसर लगाए जाएंगे। यदि किसी इलाके में तापमान तेजी से बढ़ता है या जंगल में आग लगने जैसी स्थिति बनती है, तो सिस्टम तुरंत चेतावनी जारी करेगा। यह सूचना सीधे संबंधित अधिकारियों तक पहुंचेगी, जिससे समय रहते राहत और बचाव कार्य शुरू किया जा सके। तकनीक की एक और खासियत यह है कि यह जंगल में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रख सकती है। यदि कोई शिकारी या अन्य व्यक्ति प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करता है, तो कैमरे और मोशन सेंसर उसकी गतिविधि रिकॉर्ड कर तुरंत सूचना भेज देंगे। इससे वन्यजीवों के अवैध शिकार पर रोक लगाने और वन विभाग की निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

नहीं होगी इंटरनेट की जरूरत

पेटेंट कार्यालय को यह भी बताया गया है कि यदि कोई वन्यजीव आग या किसी अन्य खतरे वाले क्षेत्र के करीब पहुंच जाता है, तो सिस्टम उसके लिए सुरक्षित रास्ते का आकलन कर सकता है। साथ ही बचाव दल को भी मौके तक पहुंचने का सबसे उपयुक्त मार्ग सुझाया जा सकता है, जिससे आपात स्थिति में तेजी से कार्रवाई संभव हो सके। पूरी प्रणाली लोरा आधारित संचार तकनीक पर काम करती है। इसकी मदद से दूर-दराज के जंगलों में भी कम ऊर्जा में डेटा भेजा जा सकता है। ऐसे क्षेत्रों में, जहां मोबाइल नेटवर्क या बिजली की सुविधा सीमित होती है, वहां भी यह प्रणाली लगातार निगरानी बनाए रखने में सक्षम होगी।

बाबा बर्फानी के दर्शन कर भिलाई लौटा 10 श्रद्धालुओं का जत्था, किया गया स्वागत

भिलाई। पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण कर लौटे भिलाई के 10 श्रद्धालुओं के दल का श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा दुर्ग रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पुष्पमालाओं, जयघोष और हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ श्रद्धालुओं का स्वागत किया। श्रद्धालुओं के दल में भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग, भिलाई के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय, पूर्व पार्षद रिंकू साहू, नितेश सिंह, रोहन सिंह, गोविंदा गुप्ता सहित कुल 10 श्रद्धालु शामिल थे। सभी श्रद्धालुओं ने लगभग दो दिनों में 36 किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा पूरी कर पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए तथा भिलाई सहित समस्त छत्तीसगढ़वासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की।

इस अवसर पर मनीष पाण्डेय ने बताया कि अमरनाथ यात्रा आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम है। कठिन मार्ग और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद बाबा बर्फानी के दर्शन का अनुभव जीवनभर स्मरणीय रहेगा। यात्रा के दौरान देशभर से आए श्रद्धालुओं के बीच एकता, अनुशासन और शिवभक्ति का अनुपम वातावरण देखने को मिला। श्रीराम जन्मोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए इसे पूरे शहर के लिए हर्ष का विषय बताया तथा बाबा बर्फानी से प्रदेश और देश में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 34 गोल्ड, 24 सिल्वर और 18 ब्रांज मैडल

भिलाई। जिला ताइक्वांडो संघ द्वारा 9वीं जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता बोरसी सांस्कृतिक भवन में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, साजन जोसफ पार्षद बोरसी, मोहन पुरी गोस्वामी, दशनाम गोस्वामी समाज प्रदेश अध्यक्ष उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का आयोजन जिला सचिव राकेश पुरी गोस्वामी के निर्देशन में किया गया।

प्रतियोगिता में जिले के 5 क्लबों से कुल 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इंडियन ताइक्वांडो क्लब भिलाई-चरोदा के 83 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और शानदार प्रदर्शन करते हुए 34 गोल्ड मैडल 24 सिल्वर मैडल और 18 ब्रांज मैडल प्राप्त कर पूरे जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इंडियन ताइक्वांडो क्लब भिलाई-चरोदा के सचिव एवं मुख्य कोच अनिल कुमार देवांगन ने बताया कि क्लब के सहायक कोच तरुण जम्बूलकर, जतिन नायक, टी. प्रणय कुमार, सुजल दास, ऋषि बर्मन आर्यन देवांगन यथार्थ वर्मा पुष्पेंद्र देवांगन एवं गर्ल्स कोच सोनिया सोनी, श्रेया दास, बी. अक्षया शिवानी, हर्षिता कुमारी यशस्वी के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस उपलब्धि के साथ क्लब के 83 खिलाड़ियों ने आगामी राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रतियोगिता के दौरान पालकगणों ने भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

मातृ एवं नवजात शिशु देखभाल, अभिनव, एकीकृत और प्रेरित विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी

कार्नर न्यूज

मातृ-नवजात देखभाल, अभ्यास और मिडवाइफरी सेवाओं को मजबूत करने दिया जोर, हुए स्किल डिमॉन्स्ट्रेशन

भिलाई। मातृ एवं नवजात शिशु देखभाल को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पी.जी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग भिलाई के प्रसूति एवं स्त्री रोग नर्सिंग विभाग ने सोसाइटी ऑफ मिडवाइव्स इंडिया, छत्तीसगढ़ चैप्टर और हिमालया वेलनेस कंपनी के सहयोग से पीडब्ल्यूडी कॉन्फ्रेंस हॉल में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम का विषय अभिनव, एकीकृत और प्रेरित मातृ एवं नवजात शिशु देखभाल रखा गया था। संगोष्ठी ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से हुई, जिससे विभिन्न संस्थानों के नर्सिंग पेशेवर, संकाय सदस्य और छात्र जुड़े।

विशेषज्ञों ने दिया साक्ष्य-आधारित देखभाल पर जोर

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला अस्पताल दुर्ग के सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिंज थे। विशिष्ट अतिथि सोसाइटी ऑफ मिडवाइव्स इंडिया संस्थापक डॉ. एम. प्रकाशम्मा, पी.जी. कॉलेज प्राचार्या डॉ. रोजा प्रिंसी, उप-प्राचार्या डॉ. जी. हेमावती, सोसाइटी ऑफ मिडवाइव्स इंडिया चैप्टर अध्यक्ष डॉ. सुशीला बैस और दुर्ग प्राचार्या पुष्पा बांधे उपस्थित थीं। सभी अतिथियों ने गुणवत्तापूर्ण मातृ-नवजात देखभाल, साक्ष्य-आधारित अभ्यास और मिडवाइफरी सेवाओं को मजबूत करने पर जोर दिया।

नवजात शिशु की देखभाल पर सत्र

वैज्ञानिक सत्रों में डॉ. विनीता ध्रुवे ने प्रसवोत्तर रक्तस्राव और परिवार नियोजन पर जानकारी दी। डॉ. सुशीला बैस ने सम्मानजनक मातृत्व देखभाल पर व्याख्यान दिया। डॉ. सीमा संतोष ने मिडवाइफ-नेतृत्व वाली प्रसवपूर्व देखभाल और ज्योति वर्मा ने आवश्यक नवजात शिशु देखभाल' पर सत्र लिए।

नॉर्मल डिलीवरी और आईयूसीडी का लाइव डेमो

दूसरा भाग स्किल डिमॉन्स्ट्रेशन को समर्पित था। प्रेरणा, संगीता, प्रियंका, ऐश्वर्या और तेजेश्वरी ने नॉर्मल वेजाइनल डिलीवरी और आईयूसीडी लगाने का प्रदर्शन किया। यह सत्र इंटरैक्टिव रहा। संगोष्ठी में एमएससी नर्सिंग, जीएनएम और जिला अस्पताल के स्टाफ, संकाय सदस्य और विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों के छात्र शामिल हुए।

सिटी इवेंट

सिन्धी समाज की नई कार्यकारिणी का गठन, एकजुट होने लिया संकल्प

भिलाई। खुर्सीपार सिन्धी समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक सिन्धी भवन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष गोपाल दास चान्दवानी और वर्तमान अध्यक्ष कैलाश वरन्दानी ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने और विकास के लिए सशक्त टीम बनाने के लिए किया गया था। आपसी सहमति से चर्चा के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में बने पदाधिकारियों में संरक्षक गोपाल दास चान्दवानी, उपाध्यक्ष हरीश हसीजा, सचिव हरीश पोपटानी, कोषाध्यक्ष महेश नारायणी, सह सचिव अनिल मनियाल, कार्यकारिणी प्रभारी श्यामू वासवानी, कार्यकारिणी सदस्यों में दामोदर चेतवानी, दीपक चंदानी, राजेश विरवानी, सोनू बलानी, राजेश लखवानी, नरेश अरोड़ा, संजय खूबचंदानी को जिम्मेंदारी दी गई।कैलाश वरन्दानी और गोपाल दास चान्दवानी ने कहा कि समाज सर्वधर्म समभाव के साथ काम करता आया है। नई कार्यकारिणी एकता और एकजुटता का संदेश देगी।

युवाओं के लिए बनेगी विशेष टीम

बैठक में समाज के विकास में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए युवा टीम बनाने का निर्णय लिया गया। युवा टीम के गठन और रूपरेखा तय करने के लिए अगले सोमवार को विशेष बैठक रखी गई है। इसमें समाज के सभी युवाओं से उपस्थिति की अपील की गई है। बैठक में प्रेम चन्द पोपटानी, टेक चन्द धामेजा, लाल चन्द तोलानी, रमेश टावरानी, रवि रोहड़ा, नवीन वरन्दानी, संतोष चंदवानी, अशोक दलवानी, रवि शिवानी, अनुज पोपटानी, मुकेश नथानी, अमित सचदेव, अनिल रोहिडा सहित समाज के सभी सदस्य उपस्थित थे।

धर्म लाइव

अमरनाथ यात्रियों का जत्था रवाना सांसद ने ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

दुर्ग। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले शिवभक्तों का एक विशेष जत्था मंगलवार को दुर्ग रेलवे स्टेशन से जम्मू तवी एक्सप्रेस द्वारा रवाना हुआ। इस यात्रा की शुरुआत के अवसर पर दुर्ग के सांसद विजय बघेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर जत्थे को रवाना किया तथा सभी तीर्थयात्रियों के सुरक्षित एवं मंगलमय सफर की कामना की। यह पूरी यात्रा ओम शिव शक्ति सेवा मंडल दुर्ग के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। मंडल की अगुवाई में इस वर्ष दुर्ग-भिलाई क्षेत्र से 70 तथा रायपुर से 22 शिवभक्त इस यात्रा में शामिल हुए हैं। स्टेशन पर विदाई के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। पूरा स्टेशन परिसर जय बाबा बर्फानी और हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। सांसद विजय बघेल ने सदस्य संतोष अग्रवाल सहित अन्य यात्रियों को माला पहनाकर उनका स्वागत किया। जत्थे में रुपेश वर्मा, सोनसीर पुनिया, निशांत शर्मा, कमल वर्मा, प्रदीप निर्मलकर, छन्नू वर्मा, चंद्रकांत श्रीवास्तव, राकेश विश्वकर्मा, बबलू डोंगरे, सौरभ ठाकुर, मनोज कुमार, अभिजीत शर्मा, संदीप यादव, अभिजीत शर्मा, गणेश यादव, धीरज यादव, रोशन कन्नौजे, कैलाश फुंदे, आदित्य चौहान, हिमालय राणा, सतीश शर्मा, रामकुमार साहू, राहुल साहू, कमलनाथ साहू, प्रणय काले, दुर्गेश पाल, दीपक कुशवाहा, करण पाल, ऋषि, किशोर रजक, गौरव एवं बलदाऊ वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शासन स्पर्श वर्षावास दुर्ग-2026 के लिए समितियां व पदाधिकारियों की नियुक्तियां

- आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा की गई तय
- सुरेश कोठारी बनाए गए आयोजन समिति के संयोजक

दुर्ग। स्पर्श वर्षावास दुर्ग-2026 के सफल, सुव्यवस्थित एवं आयोजन के लिए आयोजन समिति द्वारा विभिन्न समितियों एवं पदाधिकारियों की घोषणा कर दी गई है। आयोजन समिति ने विश्वास व्यक्त किया है कि सभी पदाधिकारी एवं सहयोगी अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए वर्षावास को ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी बनाएंगे। आयोजन समिति के संयोजक सुरेश कोठारी होंगे। सह संयोजक के रूप में संदीप निमानी, अशोक दुग्गड़ एवं विनीत चोपड़ा को दायित्व सौंपा गया है। महामंत्री के रूप में संजय लोढ़ा तथा सहमंत्री के रूप में निर्मल लोढ़ा एवं जितेंद्र तातेड़ कार्य करेंगे। कोषाध्यक्ष का दायित्व सीए हर्ष सांखला को सौंपा गया है। कार्यालय व्यवस्था के लिए संतोष पींचा, संतोष लोढ़ा, महावीर लोढ़ा, चंचल सेठिया, महावीर कोठारी, रमेश चोपड़ा, गोवर्धन कोचर एवं सतीश मरोटी को जिम्मेदारी दी गई है। भोजनशाला व्यवस्था का संचालन पारस झाबक, धनराज बोहरा, ललित लोढ़ा, किशोर कोचर, भूपेंद्र बैद, आशीष लुनिया एवं गौरव गोलेच्छा अपने सहयोगियों के साथ करेंगे। परोसगारी व्यवस्था के प्रभारी मदन बरड़िया, उत्तम लोढ़ा, दिलीप मरोटी, महेंद्र चोपड़ा, नवीन बोथरा, प्रकाश कोठारी, जसराज कोठारी, आवेश दुग्गड़ एवं अमित कोठारी होंगे। आवास एवं यातायात व्यवस्था का दायित्व योगेशबरड़िया, टीकम चोरड़िया, दिनेश लोढ़ा, वैभव चोरड़िया एवं सीए दीपक लोढ़ा को सौंपा गया है। मंच संचालन की जिम्मेदारी मनीष दुग्गड़, राकेश दुग्गड़, ऋषभ लोढ़ा एवं संतोष वड़ेर निभाएंगे। पूजा व्यवस्था के प्रभारी देवीचंद दुग्गड़ एवं महावीर बंगानी होंगे। प्रवेशोत्सव समिति का दायित्व गौतमकोठारी, महेंद्र दुग्गड़, रोशन लोढ़ा, पवन गोगड़ एवं अरुण लोढ़ा को दिया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति का संचालन सीए सुरेश कोठारी, नीता दुग्गड़, चंचल लोढ़ा एवं मंजू कोठारी करेंगी। प्रशासनिक व्यवस्था की जिम्मेदारी महेंद्र लोढ़ा एवं आनंद बोथरा संभालेंगे। सेवा व्यवस्था के प्रभारी दीपक भिड़गतिया, मौलिक बरड़िया, संतोष दुग्गड़, जयेश लोढ़ा, अरिहंत लोढ़ा एवं विनीत कोठारी होंगे। प्रचार-प्रसार समिति का दायित्व सीए मिनेश जी छाजेड़, अपूर्वी मरोटी एवं सीए करण लोढ़ा को सौंपा गया है।

जिला शतरंज चैम्पियनशिप के अंडर 19 ओपन वर्ग में ईशान एवं बालिका वर्ग में परिधि रहीं विजेता

बुद्धि और संयम की बाजी में 84 खिलाड़ियों ने दिखाया कमाल, अपनी चालों से शिल्प और इशिका बने विजेता

भिलाई। बुद्धि और संयम की बाजी में दुर्ग के खिलाड़ियों ने फिर कमाल दिखाया। स्वामी विवेकानंद भवन, स्मृति नगर में दो दिनों तक चली जिला स्तरीय शतरंज चैम्पियनशिप में 84 खिलाड़ियों ने अपनी चालों से सबको प्रभावित किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में अंडर 19 ओपन वर्ग में ईशान सैनी और बालिका वर्ग में परिधि लिलहारे ने जिला चैम्पियन का खिताब अपने नाम किया। वहीं अंडर 13 ओपन में शिल्प कुमार घोड़ेसवार और बालिका वर्ग में इशिका मड़के विजेता बनीं।प्रतियोगिता स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, स्मृति नगर के सहयोग से आयोजित की गई। इस अवसर पर अजय साहू, दिनेश जैन, गुलाब चौहान, दिव्यांशु उपाध्याय सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्या उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ईश्वर सिंह राजपूत और आभार अनिल शर्मा ने व्यक्त किया।

ईशान और परिधि ने जमाई बादशाहत

अंडर 19 ओपन वर्ग में ईशान सैनी ने 6 में से 4.5 अंक लेकर पहला स्थान हासिल किया। अभिनव सिंह राजपूत भी 4.5 अंक के साथ दूसरे और शुभम सिंह 4.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। गुणवंत साहू 4.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। शिंद्र सिंह 4 अंक के साथ पांचवे और आर्यमान भिवगड़े 4 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में परिधि लिलहारे ने 4.5 अंक लेकर चैम्पियन बनने का गौरव प्राप्त किया। आयनी त्रिपाठी 3 अंक के साथ दूसरी, आद्रीका 3 अंक के साथ तीसरी और मिताली राजपूत 3 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहीं। कासवी जैन 2.5 अंक और चारवी माण्डले 2.5 अंक के साथ पांचवे-छठे स्थान पर रहीं।

अंडर 13 में शिल्प-इशिका का दबदबा

अंडर 13 ओपन वर्ग में शिल्प कुमार घोड़ेसवार ने 5.5 अंक लेकर सभी को पीछे छोड़ दिया। पार्थ मिश्रा 5 अंक के साथ दूसरे और वी विराट अय्यर 5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चेतस माण्डले 5 अंक के साथ चौथे, प्रांजल सिंह 5 अंक के साथ पांचवे और नीर जैन 4.5 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में इशिका मड़के ने 5 अंक लेकर पहला स्थान प्राप्त किया। दोनों वर्गों में कुल 6 चक्र के मुकाबले खेले गए। भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को मेडल और ई-सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

खेलों को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता

राजीव चौबेसमापन समारोह के मुख्य अतिथि स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था के अध्यक्ष राजीव चौबे ने कहा कि स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था खेलों को बढ़ावा देने के लिए सदैव तत्पर रहती है। ऐसे आयोजन से बच्चों में खेल भावना और अनुशासन विकसित होता है। उन्होंने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई दी और आगे भी सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने शानदार आयोजन के लिए जिला शतरंज संघ दुर्ग की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला संघ के सचिव तुलसी सोनी ने कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है। कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। सभी खिलाड़ियों ने बेहतर खेल भावना दिखाई।

12 खिलाड़ी जाएंगे राज्य चैम्पियनशिप

आयोजकों ने बताया कि अंडर 19 ओपन और बालिका वर्ग के शीर्ष 4 खिलाड़ी तथा अंडर 13 ओपन और बालिका वर्ग के शीर्ष 2 खिलाड़ी का चयन राज्य शतरंज चैम्पियनशिप के लिए हुआ है। विजेताओं को मुख्य अतिथि राजीव चौबे, जिला संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत, सचिव तुलसी सोनी, शतरंज प्रशिक्षक सुरेंद्र बल्लेवार, इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े और रॉकी देवांगन ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन थे। सहयोग में फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा, धीरज चावरे, चंदन विश्वकर्मा ने निर्णय दिए।

वाई. नारायण राव बने अध्यक्ष

राम जन्मोत्सव समिति के चरोदा प्रखंड की नई कार्यकारिणी घोषित

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में चरोदा प्रखंड की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष रमेश माने एवं प्रदेश महामंत्री बुद्धन सिंह ठाकुर की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष मदन सेन की सहमति एवं उपस्थिति में चरोदा प्रखंड की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

सेन ने बताया कि नई कार्यकारिणी में वाई. नारायण राव को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उपाध्यक्ष पद पर पीएन शर्मा, सुशील यादव, के. वीरभद्र राव एवं सुब्रत दास को नियुक्त किया गया है। महामंत्री पद पर सत्य प्रकाश शर्मा एवं सुनील बैठा, मंत्री पद पर मनजीत लहरे, माला भट्ट, हरीश साहू एवं लेखराम यादव तथा कोषाध्यक्ष पद पर रिंकू तिवारी को नियुक्त किया गया है।

इसी क्रम में आरएस श्रीनिवास को मीडिया प्रभारी, हितेश चन्द्र साहू को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रभारी, देवमय मित्रा को कार्यालय प्रभारी तथा केदारेश्वरी (मीनाक्षी) को विधिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। कार्यकारिणी सदस्यों में बीए नायडू, राकेश कुमार गजेन्द्र, बी. नागु (बाबा), उमाशंकर चक्रधारी, वीरू नायक, राजेश विश्वकर्मा, कमल तांडी, लोही दास, मलय बनर्जी, वासु शिखा, ए. कृष्णा, गणेश प्रसाद, दिनेश गढ़ेवाल, एवी शंकर राव एवं हेमराज बाग को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त महिला शाखा की अध्यक्ष के रूप में सुधा बर्मन की नियुक्ति की गई है।

रिटायर सचिवों का किया गया सम्मान

पंचायत सचिव पदस्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह मनाया गया

दुर्ग। ग्राम पंचायत सचिव संगठन के तत्वावधान में 36 पोर्ट कोलिहापुरी में पंचायत सचिव पदस्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त हुए पंचायत सचिवों को स्मृति चिन्ह एवं शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर थे।

बघेल ने कहा कि पंचायत सचिव हमारे लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी हैं। गांव के विकास, शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने और अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने में आप सभी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। चंद्राकर ने कहा कि पंचायत सचिव साथी गांव और शासन के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं। जन्म से लेकर मृत्यु तक की हर सरकारी योजना आप ही के माध्यम से आम जनता तक पहुंचती है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र पैकरा, जिलाध्यक्ष महेन्द्र साहू, संयोजक कमल वर्मा, सचिव राजेश चटर्जी, जिला सह-संयोजक विजय लहरे, उपसंचालक आकाश सोनी, पशु विभाग जिला अध्यक्ष सुरेश साहू, पाटन जनपद पंचायत सीईओ महेन्द्र जांगड़े, धमधा सीईओ किरण कौशिक, ऋचा शर्मा सहित जिले भर के समस्त पंचायत सचिव उपस्थित थे।

महिलाओं के लिए स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना

महिलाओं को रोजगारमुखी प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ने 10 से अधिक ट्रेड में मिलेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण

कार्नर न्यूज

भिलाई। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से लोकार्पण समिति छत्तीसगढ़ और जय मां दुर्गा महिला स्व सहायता समूह बालाजी नगर खुर्सीपार के संयुक्त सहयोग से राम जानकी मंदिर प्रांगण में महिला शक्ति केंद्र की स्थापना की जाएगी। इस केंद्र में महिलाओं एवं युवतियों को रोजगारमुखी प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा।

10 से अधिक ट्रेड में मिलेगा निशुल्क प्रशिक्षण

केंद्र में महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई, दोना निर्माण, मोमबत्ती, अगरबत्ती, दीया-बाती, ब्यूटीपार्लर, मेहंदी, मिठाई डिब्बा निर्माण सहित कई कामों का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। लोकार्पण समिति के प्रदेश अध्यक्ष इस्माइल खान ने बताया कि प्रशिक्षण के साथ महिलाओं को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विभिन्न विभागों द्वारा संचालित महिला कल्याण कार्यक्रमों की जानकारी भी दी जाएगी। केंद्र से जुड़ी महिलाओं को समूह द्वारा निर्मित सामग्रियों की बिक्री में भी सहयोग किया जाएगा, ताकि वे आर्थिक रूप से सक्षम बन सकें।

महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

जय मां दुर्गा महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष सुमित्रा देवी ने कहा कि समिति महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा होने और परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए प्रेरित कर रही है। इस कार्य से जुड़कर हम अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए आगे बढ़ाएंगी। कार्यक्रम में इस्माइल खान ने जय मां दुर्गा समूह को छत्तीसगढ़ शासन के पंजीयन विभाग से पंजीकृत होने के बाद अनुमोदित नियमावली भी सौंपी। उन्होंने कहा कि लोकार्पण समिति पिछले 20 वर्षों से वृद्ध सेवा, महिला कल्याण, रोजगार और युवाओं को शासन की योजनाओं से जोड़ने का काम कर रही है।

बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित

बैठक में समूह सचिव रीना चौधरी, कोषाध्यक्ष सुनैना चौधरी, उपाध्यक्ष ज्ञानती देवी, अनिता चौधरी, विमला साहनी, गुरमति साहनी, पिंकी यादव, रुक्मणी, ललिता साहनी, गया लोहार, दुरूपति, रजनी साव, चंद्रवती, शांति देवी, प्रमिला देवी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सिटी स्पोर्ट्स

हॉकी में रायपुर की शानदार जीत

रायपुर। नेहरू हॉकी क्षेत्रीय टूर्नामेंट के पहले मैच में शानदार मुकाबले हुए। जिसमें शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला शहीद स्मारक ब गुरुनानक चौक में अध्ययनरत आवासीय बालक छात्रावास क्रमांक 4 गंजपारा रायपुर छत्तीसगढ़ की अंडर 15 टीम ने गरियाबंद को 1/0 से पराजित किया। वहीं राईट फॉरवर्ड रमन गुप्ता ने शानदार गोल कर टीम को जीत दिलाई। दूसरे व फाइनल मैच में धमतरी की टीम को भी 1/0 से पराजित कर राज्य स्तरीय के लिए क्वालीफाई किया। सेंटर फॉरवर्ड सागर चौधरी ने नज़ाकत के साथ रिवर्स शॉर्ट मारते हुए गोल किया। फुल बैक शमीर जांगड़े और गौरव यादव टीम की ढाल हैं, इन्होंने पूरे मैच में टीम को संभाल कर रखा। गोलकीपर आर्यन चेलक ने एक शानदार गोल बचाया जिससे टीम बढ़त बना सकी।

जूनियर नेशनल रग्बी चैम्पियनशिप में हिस्सा ले रही छत्तीसगढ़ टीम

रायपुर। रग्बी इण्डिया एवं तेलंगाना एसोसिएशन द्वारा जूनियर नशनल रग्बी सेवेन्स (बालक एवं बालिका) चैम्पियनशिप का आयोजन गाचीबोवली स्टेडियम, हैदराबाद में 06 से 11 जुलाई तक जारी है। इस जूनियर नेशनल रग्बी सेवेन्स चैम्पियनशिप में जो 7 टीमें उच्च स्थान प्राप्त करेंगी वह खेलो इंडिया के लिये क्वालिफाई होगी। छत्तीसगढ़ रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने इस चैंपियनशिप में भाग ले रहे राज्य के खिलाड़ियों को बधाई दिए। छत्तीसगढ़ टीम में ईशा किरण किंडो (कप्तान), पूर्वराज साहू (वाईस कप्तान), गुंजन वर्मा, दृष्टि चंद्रकार, श्रद्धा मरकाम, शिवानी सतनामी, सानाली केरकेट्टा, पूनम कुमारी, मानसी साहू, साक्षी साहू, नंदनी निषाद, जिया परवीन, कोच प्राची विश्वकर्मा और मैनेजर संस्कार राजीव देवांगन शामिल है।

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट के केम्प में नवनीत का चयन

रायपुर। जिला क्रिकेट संघ के अंडर-23 टीम के नवदीप सामले का चयन छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ में उभरते हुए खिलाड़ी के रूप में हुआ है। जिला क्रिकेट संघ धमतरी खिलाड़ियों की प्रतिभा को पहचानकर, उचित प्रशिक्षण व मार्गदर्शन विगत कई वर्षों से दे रहा है।

इस वर्ष विभिन्न आयु वर्ग के 10 खिलाड़ियों का चयन छत्तीसगढ़ राज्य की टीम में हुआ है । इनमें 4 बालिका एवं 6 बालक शामिल हैं। धमतरी जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष शरद रणसिंह, उपाध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल, सचिव अजय बाबर, सहसचिव सकुश गुप्ता, कोषाध्यक्ष राकेश दीवान, कोच सजल चंद्राकर आदि ने नवनीत को बधाई दी है।

राष्ट्रीय पेंचक सिलाट में छत्तीसगढ़ ने जीते 55 पदक

रायपुर। 14वी पेंचक सिलाट सब-जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता 26 से 28 जून तक नासिक महराष्ट्र में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में भारत वर्ष के 32 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 1400 बालक बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया।

जिसमे छत्तीसगढ़ से 74 खिलाड़ियों ने हिस्सेदारी करते हुए 15 स्वर्ण, 21 रजत एवं 19 कांस्य सहित कुल 55 पदक हासिल किये। जिले के 7 खिलाड़ियों का भी चयन स्पर्धा में हुआ था। जिसमे 6 खिलाड़ियों ने पदक हासिल किये। अल्फिशा शेख स्वर्ण पदक, लावन्या बांगरे, शेख अब्दुल कबीर रजत पदक, ललिता अहिरवार, कंचन यादव, रूमाना खान कांस्य पदक प्राप्त किये है। राज्य के टीम में कोच के रूप में मनीष निषाद, सूर्यकांत वर्मा, शेख अरबाज अली, आनंदिता सिंह शामिल थे एवं निर्णायक के रूप में अभिषेक देवांगन, इरफान अहमद, नीलिमा साहू ने योगदान दिया।

अपने कामकाज और सेहत के बीच संतुलन जरूर बनाएं

लंबे समय तक एक जगह बैठकर करते हैं काम तो बढ़ सकता है इन बीमारियों का खतरा, रहें सावधान

अक्सर लोग ऑफिस में घंटों कुर्सी पर बैठे रहते हैं और लगातार स्क्रीन देखते रहते हैं। इससे उनकी शारीरिक गतिविधि बहुत कम हो जाती है, जिसका हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। यह सिर्फ आलस्य नहीं है, बल्कि एक ऐसी आदत है जो शरीर में कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है।

आज की आधुनिक जीवनशैली में हमें ढेर सारी सुख-सुविधाएं मिल गई हैं, जिसकी वजह से लोग एक ही जगह बैठे-बैठे अपना सारा काम करना चाहते हैं। ऐसे में शरीर की गतिविधि कम होने से कई मुश्किलें सामने आती हैं। इसी तरह की जीवनशैली को सेडेंटरी लाइफस्टाइल कहते हैं। अक्सर लोग ऑफिस में घंटों कुर्सी पर बैठे रहते हैं और लगातार स्क्रीन देखते रहते हैं। इससे उनकी शारीरिक गतिविधि बहुत कम हो जाती है, जिसका हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

यदि आप भी उन लोगों में से हैं जो दिन में 8 घंटे से ज्यादा एक ही जगह बैठकर काम करते हैं, तो आपको सतर्क हो जाना चाहिए। यह आदत मोटापा, हृदय रोग, डायबिटीज जैसी कई लाइलाज बीमारियों का खतरा बढ़ाती है। दरअसल, जब हमारा शरीर पर्याप्त हिलता-डुलता नहीं, तो मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है,

जिससे कई शारीरिक प्रक्रियाएं बाधित होती हैं। आइए इस लेख में जानते हैं कि अगर कोई 8 घंटे से अधिक एक स्थान पर ही बैठा रहता है, तो उन्हें किन बिमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही यह भी जानेंगे कि आप किन छोटे बदलावों से अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

गतिहीन जीवनशैली से होने वाली बीमारियां

लंबे समय तक बैठे रहने से शरीर की सामान्य प्रक्रियाएं प्रभावित होती हैं। पहली प्रमुख समस्या है मोटापा। बैठे रहने से कैलोरी बर्न नहीं होती, जिससे वजन बढ़ता है। मोटापा अपने आप में डायबिटीज और हृदय रोग जैसी बीमारियों का कारण बनता है।

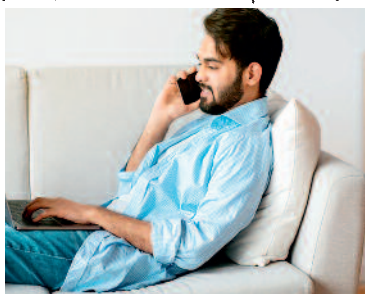

दूसरी, टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ता है। सेडेंटरी लाइफस्टाइल इंसुलिन सेंसिटिविटी को कम करती है, जिससे ब्लड शुगर का लेवल अनियंत्रित हो सकता है।

तीसरी, हृदय रोग का जोखिम। लंबे समय तक बैठने से रक्त संचार धीमा पड़ता है, जिससे कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। चौथी, कमर और पीठ दर्द। गलत मुद्रा में बैठने से रीढ़ की हड्डी और मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है, जिससे पुराना दर्द शुरू हो सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

गतिहीन जीवनशैली न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती है। लंबे समय तक बैठे रहने से तनाव, चिंता और अवसाद का खतरा बढ़ता है। शारीरिक गतिविधि की कमी से एंडोर्फिन हार्मोन का स्राव कम होता है, जो मूड को बेहतर बनाता है। इसके अलावा, नींद की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है, जिससे थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ता है।

क्यों बढ़ रहा है यह खतरा?

आज के दौर में डेस्क जॉब, रिमोट वर्क और स्क्रीन टाइम ने लोगों को कुर्सी से बांध दिया है। कंप्यूटर, मोबाइल और टीवी के सामने घंटों बिताने से शारीरिक गतिविधियां कम हो गई हैं। मानसून या ठंड जैसे मौसम में बाहर निकलना और कम हो जाता है, जिससे गतिहीनता और बढ़ती है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी आयु वर्ग इस जीवनशैली का शिकार हो रहे हैं।

बचाव के उपाय

गतिहीन जीवनशैली से होने वाली बीमारियों से बचने के लिए कुछ आसान उपाय अपनाए जा सकते हैं। हर 30-40 मिनट में उठकर 2-3 मिनट टहलें या स्ट्रेचिंग करें। रोजाना 30 मिनट टहलें, योग या कोई व्यायाम जरूर करें। हमेशा सीधे बैठें और अपनी रीढ़ को सहारा देने वाली कुर्सी का उपयोग करें। पर्याप्त पानी पिएं और संतुलित आहार लें, जिसमें फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट शामिल हों।

भरी बरसात में भी आपके शरीर में हो सकती है पानी की कमी

बहुत से लोगों को लगता है कि शरीर में पानी की कमी सिर्फ गर्मी के मौसम में ही हो सकती है, लेकिन ये पूरा सच नहीं है। किसी भी मौसम में डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। आइए इस लेख में जानते हैं कि शरीर में पानी की कमी होने पर क्या लक्षण दिखते हैं।

हमारे शरीर का ज्यादातर हिस्सा, लगभग 60-70%, पानी से बना है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाता है। पाचन से लेकर रक्त संचार और शरीर का तापमान बनाए रखने तक, पानी हर जरूरी शारीरिक क्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन जब शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिसे हम डिहाइड्रेशन भी कहते हैं, तो यह स्थिति हमारे स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकती है।

डिहाइड्रेशन कई वजहों से हो सकता है, जैसे ज्यादा पसीना आना, बार-बार दस्त लगना या फिर पर्याप्त पानी न पीना। बच्चे और बुजुर्गों में डिहाइड्रेशन का खतरा अधिक होता है। अगर समय रहते इस पर ध्यान न दिया जाए, तो यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। डिहाइड्रेशन के

कारण थकान, चक्कर आना और कई बार तो इंसान बेहोश भी हो सकता है। इसलिए, यह समझना बेहद जरूरी है कि डिहाइड्रेशन क्या है, इसके क्या लक्षण हैं, और सबसे महत्वपूर्ण है कि इससे बचाव के लिए किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आइए इसी के बारे में जानते हैं।

डिहाइड्रेशन के लक्षण

डिहाइड्रेशन के शुरुआती लक्षणों में प्यास लगना, मुंह सूखना, थकान और चक्कर आना शामिल हैं। गंभीर डिहाइड्रेशन में पेशाब का रंग गहरा पीला होना, कम पेशाब आना, त्वचा में रूखापन आना, तेज धड़कन और सिरदर्द जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। अगर डिहाइड्रेशन बढ़ जाए, तो यह किडनी की समस्या, बेहोशी या गर्मी से संबंधित बीमारियों जैसे हीटस्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए समय रहते इसपर ध्यान देना बहुत जरूरी होता है।

डिहाइड्रेशन के कारण

डिहाइड्रेशन का मुख्य कारण पर्याप्त पानी न पीना है, खासकर गर्मी या मानसून में जब पसीना अधिक निकलता है। दस्त, उल्टी या बुखार के दौरान शरीर से तरल पदार्थ तेजी से निकलता है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ता है। अत्यधिक शराब या कैफीन का सेवन भी मूत्रवर्धक प्रभाव के कारण पानी की कमी हो सकती है। डायबिटीज या किडनी रोग वाले मरीजों में बार-बार पेशाब के कारण डिहाइड्रेशन होने की आशंका अधिक होती है।

बचाव के उपाय

डिहाइड्रेशन से बचने के लिए दिन में 8-10 गिलास पानी पीएं। गर्मी या व्यायाम के दौरान हर 20-30 मिनट में पानी जरूर पिएं। दस्त या उल्टी के दौरान ओआरएस या नमक-चीनी का घोल शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखता है। फल जैसे तरबूज, संतरा और नारियल पानी हाइड्रेशन बनाए रखने में मदद करते हैं।

प्रदेश भर में होंगी टेबल टेनिस प्रतियोगिताएं

- छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की वार्षिक आमसभा में लिए गए कई फैसले

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की वार्षिक आमसभा में कई प्रमुख निर्णय लिए गए। बैठक की अध्यक्षता रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक एवं छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा ने की। बैठक में छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की वार्षिक प्रतियोगिता के आयोजन एवं राज्य में टेबल टेनिस के प्रचार एवं विकास पर विस्तृत चर्चा हुयी।

वहीं वार्षिक प्रतियोगिता का कैलेण्डर निर्धारित किया गया जिसमें प्रथम राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह अगस्त में रायपुर, प्रथम मास्टर्स राज्य रैंकिंग़ टेबल टेनिस प्रतियोगिता तथा द्वितीय राज्य रैंकिंग़ टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह सितंबर में क्रमशः रायपुर एवं राजनांदगांव, 24वीं स्टेग ग्लोबल छत्तीसगढ़ राज्य एवं अंतर जिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह अक्टूबर में रायपुर, राज्य पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह नवंबर में रायपुर, द्वितीय मास्टर्स राज्य रैंकिंग़ टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह नवंबर में रायपुर, तृतीय मास्टर्स राज्य रैंकिंग़ टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह दिसंबर में रायपुर को आबंटित किया गया। इसके साथ ही पिछले वर्ष कोंडागांव में पहली बार राज्य प्रतियोगिता के सफल आयोजन करने पर कोंडागांव जिला टेबल टेनिस संघ को द्वितीय राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता हेतु स्मृति चिन्ह दिया गया। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ द्वारा खेल एवं युवा कल्याण, रायपुर छत्तीसगढ़ के पर्यवेक्षक श्री प्रवेश जोशी जी को ससम्मान मोमेंटो भेंट किया गया।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण, रायपुर छत्तीसगढ़ के पर्यवेक्षक प्रवेश जोशी, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला, संघ के पूर्व मुख्य सलाहकार डा मानिक चटर्जी, छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशोर जादवानी, उपाध्यक्ष अनिल पुसदकर, प्रदीप जोशी, गिरिराज बागड़ी, सचिव सार्थक शुक्ला, कोषाध्यक्ष सौरभ शुक्ला एवं पदाधिकारीगण, जिला संघों के अध्यक्ष एवं सचिव आदि उपस्थित थे। मंच संचालन रायपुर महानगर टेबल टेनिस संघ सचिव शकील साजिद ने किया। उपरोक्त जानकारी छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष विनय बैसवाड़े ने दी।

कपूर और नींबू के छिलके पानी में उबाल कर आजमाएं

रसोई में बहुत सी चीजें ऐसी होती है। जिनसे जुड़े हम हैक्स नहीं जानते हैं। आज हम आपको कपूर और नींबू के छिलकों से जुड़े कुछ स्मार्ट किचन हैक्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आपके बहुत काम आसान हो जाएंगे। कपूर और नींबू के टुकड़ों को पानी में उबालने से क्या होता है आज हम आपको इस आर्टिकल इसी के बारे में बताने जा रहे हैं। कपूर और नींबू से आप अपने किचन के कई काम को आसान बना सकती हैं। यह आपके बेहद काम आने वाले हैं। चलिए फिर जान लेते हैं नींबू के टुकड़े और कपूर को पानी में एक साथ उबालने के फायदे।

नींबू और कपूर को उबालने से क्या होता है?

आप भी नींबू और कपूर को पानी में उबालकर किचन के काम को आसान बना सकती हैं। आइए जान लेते हैं सभी के बारे में विस्तार से।

कीड़े-मकौड़े भगाएं

अक्सर किचन में कुछ भी खाने-पीने का सामान फैल जाने पर या बारिश के मौसम में मक्खी, मच्छर और चींटियां आदि डेरा जमाने लगती हैं। ऐसे में आप पानी में नींबू के टुकड़े और कपूर की गोलियां डालकर उन्हें उबाल लें। अब इस पानी को ठंडा करके छान लेना है और किसी स्प्रे बोतल में भरकर रख लें। इस घोल को आप अपनी किचन की स्लैब और कैबिनेट्स में छिड़काव कर सकती हैं। नींबू और कपूर की तेज स्मेल से एक भी कीड़ा-मकौड़ा नहीं आएगा।

कार्नर न्यूज

बच्चे को बेहतर माहौल देने की जिम्मेदारी अभिभावकों की

बच्चा बोलने लगा है झूठ तो माता-पिता की कुछ आदतें हो सकती हैं जिम्मेदार, ध्यान दें

अभिभावक बच्चों को ऐसा ऐसा माहौल दें, जहां वे बिना डरे सच्चाई कह सकें। याद रखें, बच्चे वही सीखते हैं जो वो अपने आस-पास देखते हैं। आइए जानते हैं माता पिता की पांच सामान्य गलतियां जो बच्चे को झूठ बोलने पर मजबूर कर देती हैं। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा ईमानदार, समझदार और सच्चाई पर चलने वाला बने। लेकिन कई बार बच्चे अचानक से झूठ बोलने लगते हैं और माता-पिता हैरान रह जाते हैं कि ऐसा क्यों हो रहा है। दरअसल, इसके पीछे बच्चे की गलती नहीं बल्कि पैरेंट्स की कुछ छोटी-छोटी गलतियां जिम्मेदार होती हैं। ऐसे में अगर बच्चों को झूठ से दूर रखना है तो पहले हमें अपने व्यवहार को ईमानदार और समझदारी भरा बनाना होगा। अभिभावक बच्चों को ऐसा ऐसा माहौल दें, जहां वे बिना डरे सच्चाई कह सकें। याद रखें, बच्चे वही सीखते हैं जो वो अपने आस-पास देखते हैं। आइए जानते हैं माता पिता की पांच सामान्य गलतियां जो बच्चे को झूठ बोलने पर मजबूर कर देती हैं।

सजा का डर दिखाना

जब बच्चा कुछ गलत करता है और अभिभावक उसे सजा देने की

धमकी देते हैं तो अगली बार वह डर की वजह से सच्चाई छुपाने लगता है। इससे वह झूठ बोलने की आदत डाल लेता है। गलतियां तो सभी करते हैं लेकिन अपनी गलती मानकर बच्चा उसे माता पिता के सामने तभी कबूल करेगा जब उसे ये डर नहीं होगा कि सच्चाई बताने पर उसे सजा मिल सकती है।

ओवररिएक्ट करना

अगर आप छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करते हैं या चीखते-चिल्लाते हैं तो बच्चा सोचता है कि सच्चाई बताकर परेशानी मोल लेना ठीक नहीं। ऐसे में वो झूठ को सुरक्षा कवच बना लेता है। अपने जीवन से जुड़ी कोई बात बताने से बेहतर वह बात छुपाना समझता है।

बच्चे की भावनाओं को नजरअंदाज करना

जब बच्चे की बातों को अनसुना कर दिया जाता है या उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाता तो वे अपने विचार और सच्चाई छुपाना शुरू कर देते हैं। अक्सर जाने-अनजाने में माता-पिता बच्चे के विचार या उसकी पसंद व सोच को न सुनकर अपना फैसला सुना देते हैं। अभिभावक की ये आदत बच्चे को उनके सामने सच बोलने से रोकने लगती है।

खुद झूठ बोलना

अगर माता-पिता खुद दूसरों से झूठ बोलते हैं, जैसे- फोन पर बोल दो 'मैं घर पर नहीं हूं।' तो बच्चा इसे सामान्य मानने लगता है और वो भी वैसा ही करने लगता है। वहीं माता-पिता एक दूसरे से भी कई बार बच्चे के सामने झूठ बोलते हैं। यह सब देख वह झूठ को सामान्य बात मानकर अपनी आदत में झूठ को शामिल कर सकता है।

हर गलती पर आलोचना करना

बच्चा अगर कुछ गलत करता है और माता-पिता सिर्फ उसकी आलोचना करते हैं तो वह अगली बार सच्चाई छुपाना पसंद करता है ताकि शर्मिंदगी से बच सके। ऐसा आमतौर पर स्कूल टेस्ट में मिलने वाले कम अंकों के वक्त देखा जाता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

भारत आएंगे नोलन-टॉम और डेमन, मुंबई में होगा 'द ओडिसी' का ग्लोबल प्रीमियर

क्रिस्टोफर नोलन की आगामी फिल्म 'द ओडिसी' का भारत में पहला प्रीमियर मुंबई में होगा। जिसमें नोलन के साथ मैट डेमन और टॉम हॉलैंड भी शामिल होंगे।

मशहूर हॉलीवुड डायरेक्टर क्रिस्टोफर नोलन और सुपरस्टार टॉम हॉलैंड जल्द ही भारत आने वाले हैं। वे मुंबई में अपनी आने वाली नई फिल्म 'द ओडिसी' का ग्लोबल प्रीमियर करने के लिए आ रहे हैं। भारत में फिल्म की पहली स्क्रीनिंग में उनके साथ इस फिल्म के मुख्य अभिनेता मैट डेमन भी भारत आएंगे। यह शानदार इवेंट मुंबई के लोअर परेल में स्थित 'फीनिक्स पैलेडियम के पीवीआर आइकॉन आईमैक्स में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, भारत में प्रीमियर की तारीख का खुलासा अभी नहीं हुआ है। यह फिल्म 17 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

अभिनेता मैट डेमन ने बताया कि 'द ओडिसी' उनके करियर की सबसे कठिन फिल्म थी। उन्होंने कहा कि डायरेक्टर क्रिस्टोफर नोलन को सब कुछ असली दिखाना पसंद है, इसलिए इस फिल्म की शूटिंग में किसी भी तरह के ग्रीन स्क्रीन या नकली स्टूडियो का इस्तेमाल नहीं किया गया है।

'द ओडिसी' एक एक्शन और माइथोलॉजिकल फिल्म है, जिसे पुरानी ग्रीक कविता 'ओडिसी' के आधार पर बनाया गया है। कहानी में दिखाया गया है कि ट्रॉय की लड़ाई खत्म होने के बाद, मुख्य किरदार 'ओडिसियस' को अपने घर लौटने में 10 साल का लंबा समय लगता है। मैट डेमन फिल्म में ओडिसियस मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। ऐनी हैथवे फिल्म में पेनेलोप का रोल कर रही हैं।

टॉलीवुड

ममूटी को पद्म भूषण मिलने पर धनुष और 'ओम' की टीम ने मनाया जश्न

दिग्गज अभिनेता मुहम्मद कुट्टी पनापरम्बिल इस्माइल यानि ममूटी को हाल ही में देश के

प्रतिष्ठित सम्मान पद्म भूषण से नवाजा गया है। इस खास मौके पर अभिनेता धनुष और उनकी आने वाली फिल्म 'ओम' की टीम ने फिल्म के सेट पर एक शानदार जश्न मनाया और ममूटी को बधाई दी। धनुष की प्रोडक्शन कंपनी 'वंडरबार फिल्म्स' ने सोशल मीडिया (एक्स) पर इस जश्न की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में ममूटी फिल्म 'ओम' के सेट पर एक बड़ा केक काटते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि धनुष और फिल्म की पूरी टीम उनके लिए तालियां बजा रही है। ममूटी को 23 जून को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह के बाद ममूटी ने अपने बेटे और अभिनेता दुलकर सलमान के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी ने भी इस मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कर उन्हें बधाई दी।

74 वर्षीय ममूटी ने अपने करियर की शुरुआत 1980 में आई मलयालम फिल्म 'विल्कनंदु स्वप्नंगल' से की थी। 1983 में आई फिल्म 'संध्याक्कु विरिंजा पूवु' उनकी पहली बड़ी हिट रही, जिसने उन्हें एक बड़ा स्टार बना दिया। पिछले 40 से ज्यादा साल में उन्होंने मलयालम, तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में बेहतरीन अभिनय किया है। उन्हें कई राष्ट्रीय और फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुके हैं।

इससे पहले साल 1998 में उन्हें 'पद्म श्री' से भी सम्मानित किया जा चुका है। ममूटी को आखिरी बार साल 2026 में आई जासूसी फिल्म 'पैट्रियट' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ मोहनलाल और फहाद फासिल भी थे।

भोजपुरी

'किसान बहुरिया' में शादी के दिन ही दुल्हन जान गई पति की असलियत

अंजना सिंह की अपकमिंग फिल्म 'किसान बहुरिया' एक ऐसी महिला पर आधारित कहानी है जो पति की मानसिक हालत खराब होने और घर की स्थिति को ठीक करने के लिए खेती

करती है। भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस अंजना सिंह की फिल्म 'किसान बहुरिया' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर हो चुका है। यह फिल्म एक ऐसी महिला की कहानी है, जो पति को देखकर बेबस हो जाती है और शादी के बाद खेती कर घर की जिम्मेदारी संभालती है। मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का क्लिप शेयर किया। मंजुल ठाकुर द्वारा निर्देशित फिल्म 'किसान बहुरिया' में अंजना सिंह और प्रशांत सिंह मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, फिल्म में खुशी झा, विद्या सिंह, गोलू तिवारी, अशोक मिश्रा और सुधा यादव जैसे अनुभवी कलाकार नजर आएंगे। वहीं, चाइल्ड आर्टिस्ट दीक्षा मिश्रा होंगी। इसमें ओम झा ने संगीत दिया है जबकि फिल्म को बी4यू भोजपुरी चैनल पर दिखाया जाएगा। किसान बहुरिया एक ऐसी महिला पर आधारित है जो पति की मानसिक हालत खराब होने और घर की स्थिति को ठीक करने के लिए खेती करती है। हालांकि, मेकर्स ने पहले ही फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया था। ट्रेलर में दिखाया गया था कि अंजना शादी करके अपने ससुराल आती हैं लेकिन पति की मानसिक हालत देखकर हैरान हो जाती हैं।

ट्रेडिशनल आर्ट

ट्रेडिशनल आर्ट से बने प्रिंट और पैटर्न किसी भी फैशन शो की जान होते हैं। ऐसे ट्रेडिशनल आर्ट को रनवे पर पहली बार देखना अनूठा अनुभव होता है। फैशन की दुनिया में ऐसे ट्रेडिशनल डिजाइन और कलेक्शन को किसी मूल निवासी समुदाय के मॉडल्स और प्रभावशाली लोगों द्वारा जीवंत होते देखना हमेशा से एक सपना सच होने जैसा रहा है। लंदन फैशन वीक में पिछले हफ्ते यह कलेक्शन

चंदन का इस्तेमाल करने से पहले जानें इसका नफा-नुकसान

इन दिनों बारिश तो आ गई है लेकिन गर्मी भी बरकरार है। ऐसे मौसम में स्किन पर तमाम तरह की दिक्कतें होती हैं, जिसकी वजह से चेहरा काफी डल लगने लगता है। कई बार तो चेहरा इतना खराब लगने लगता है कि लोगों को लगता है कि उनकी स्किन पर कोई दिक्कत हो गई है। ऐसे में वो इन दिक्कतों को दूर करने के लिए कभी डॉक्टर की सलाह लेते हैं तो कभी महंगे महंगे स्किन केयर ट्रीटमेंट का सहारा लेते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि घर में रखी एक छोटी सी चीज के इस्तेमाल से भी आप अपने चेहरे को चमका सकते हैं। यहां हम बात कर रहे हैं चंदन की। चंदन का इस्तेमाल पूजा पाठ से लेकर स्किन केयर में भी किया जाता है। इसके इस्तेमाल के समय यदि सावधानी न बढ़ती जाए तो इसके कई नुकसान भी है।

ये हैं फायदे

त्वचा को ठंडक देता है

चंदन में नैचुरल कूलिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो गर्मियों में या सनबर्न की स्थिति में स्किन को ठंडक देती हैं। इससे स्किन की जलन, रैशेज और रेडनेस में तुरंत आराम मिलता है। इसका इस्तेमाल गुलाब जल या खीरे के रस के साथ

मिलाकर किया जा सकता है।

मुंहासों और पिंपल्स को कम करता है

चंदन एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। ये बैक्टीरिया को मारता है और स्किन को साफ़ करता है, जिससे मुंहासे कम होते हैं और स्किन इंफेक्शन से बचती है। इसका इस्तेमाल हल्दी और गुलाब जल के साथ किया जा सकता है।

दाग-धब्बे और टैनिंग हटाता है

चंदन का नियमित उपयोग स्किन को क्लियर करता है। यह दाग-धब्बों को हल्का करने, स्किन टोन को निखारने और टैन हटाने में कारगर है। इसका इस्तेमाल दूध और शहद मिलाकर किया जा सकता है।

एंटी-एजिंग गुण

चंदन फाइन लाइन्स, झुर्रियों और उम्र के लक्षणों को धीरे-धीरे कम करने में मदद करता है। ये स्किन को टाइट और यंग बनाए रखता है। इसका इस्तेमाल बादाम का तेल मिलाकर किया जा सकता है।

एलर्जिक रिएक्शन

कुछ लोगों की स्किन बहुत सेंसिटिव होती है और उन्हें चंदन से एलर्जी हो सकती है। इसके लक्षण हो सकते हैं: खुजली, जलन, रेडनेस या छोटे दाने। इसलिए इस्तेमाल से पहले हाथ के अंदर या कान के पीछे पैच टेस्ट करें। 24 घंटे में कोई रिएक्शन न हो तो ही चेहरे पर लगाएं।

अत्यधिक ड्राइनेस

चंदन की ठंडी तासीर कभी-कभी स्किन की नेचुरल नमी को भी हटा देती है, जिससे स्किन ड्राई और खिंची हुई महसूस हो सकती है, खासकर ड्राय स्किन वालों को। इसलिए हमेशा मॉइस्चराइजिंग इंग्रेडिएंट (जैसे दूध, शहद, एलोवेरा) के साथ मिलाकर इसका इस्तेमाल करें।

बारिश में ऑफिस आउटफिट के लिए ये कलर हैं बेस्ट

मानसून में ऑफिस में पहनने के लिए आप ट्रेंडी कलर्स के आउटफिट्स को स्टाइल कर सकते हैं। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही, कलर्स आप मौसम के हिसाब से सही पसंद कर पाएंगे। मानसून में पहनने के लिए हम अक्सर ट्रेंडी कलर्स को चूज करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे लुक मौसम के हिसाब से परफेक्ट लगता है। इस बार भी आप ऑफिस में पहनने के लिए कुछ ऐसे कलर्स को चूज करें, जिसे वियर करके आपका लुक अच्छा लगे। साथ ही, आप पूरे दिन कम्फर्टेबल फील करें।

ऑफिस में पहनने के लिए ट्रेंडी कलर्स

आप ऑफिस लुक के लिए ट्रेंडी कलर्स को चुनें। इस तरह के कलर्स पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। साथ ही, इसमें लुक सुंदर दिखता है। बस आपको कलर को कॉन्ट्रास्ट करके पहनने का तरीका जानना है।

मानसून में ऑफिस के लिए लें पिंक कलर

आप इस बार मानसून सीजन में सबसे अलग दिखने के लिए पिंक कलर को चूज कर सकती हैं। इस तरह के कलर मानसून में पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। साथ ही, इसमें आपको प्लेन से लेकर प्रिंटेड पैटर्न को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के कलर को कुर्ती से लेकर वेस्टर्न आउटफिट में ले सकती हैं।

मानसून में पहनें पिस्ता ग्रीन कलर

मानसून सीजन में लाइट कलर के आउटफिट को स्टाइल करना सबसे अच्छा लगता है। इसलिए आप भी पिस्ता ग्रीन कलर वाले सूट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सूट सेट ऑफिस में पहनने के बाद काफी अच्छे लगेंगे। साथ ही, लुक भी अट्रैक्टिव नजर आएगा। आप इस तरह के सूट को सिंपल डिजाइन और प्लेन कलर में खरीदकर स्टाइल करें।

काले घुटनों का इलाज कर देगा घरेलू उबटन

शॉर्ट ड्रेस पहनना हम सभी को पसंद होता है, लेकिन घुटने के कालेपन की वजह से हम इसे वियर नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आप घरेलू उबटन को बनाकर इसे स्किन पर लगाएं। इससे स्किन का रंग साफ हो जाएगा। आजकल शॉर्ट ड्रेस पहनना हर किसी को पसंद होता है। लेकिन यह तभी अच्छी लगती हैं, जब हमारे घुटने काले नजर नहीं आते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि काले घुटने अलग से दिखाई देते हैं। जिसे हम किसी अन्य चीजों से छिपा भी नहीं सकते हैं। ऐस में जरूरी है कि आप घरेलू उबटन को बनाकर अपने घुटनों में अप्लाई करें। इससे आपकी स्किन साफ हो जाएगी। आर्टिकल में बताते हैं दादी नानी वाले घरेलू नुस्खे से बने उबटन के तरीके को।

क्यों काले हो जाते हैं घुटने

स्किन पर कई बार रुखापन इतना ज्यादा हो जाता है कि इसकी वजह से हमारी स्किन डार्क होने लगती है। साथ ही, धूप के कारण भी घुटने पर टैनिंग नजर आती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने घुटनों को साफ रखने के लिए

घरेलू नुस्खे से बने उबटन का इस्तेमाल करें। इससे आपको शॉर्ट ड्रेस पहनने में दिक्कत नहीं होगी।

काले घुटनों के लिए उबटन कैसे बनाएं

इसके लिए आपक एक कटोरी लेनी है।इसमें आपको बेसन डालना है। फिर इसमें दही और हल्दी को मिक्स करके पेस्ट बनाएं।इसके बाद इसका उबटन बनाकर थोड़ा सा गुलाब जल को मिक्स करें। इसके लिए आपको ब्रश की मदद से अपने घुटनों पर इसे लगाएं। फिर इसे कुछ समय के लिए सूखने दें।इसके बाद इसे पानी से साफ कर लें।

एथनिक आउटफिट संग बनाएं गजरा हेयरस्टाइल

किसी भी त्योहार पर महिलाओं को सजना-संवरना बहुत अच्छा लगता है। जिसके चलते महिलाएं फेस्टिवल के नजदीक आने से पहले ही इसकी तैयारियां शुरू कर देती हैं। सुहागिन महिलाओं के लिए सावन का महीना बेहद खास होता है।

ट्रेंडी गजरा हेयर स्टाइल

आप नीचे दिखाई जा रही इन ट्रेंडी गजरा हेयर स्टाइल को अपने साड़ी, सूट और लहंगे किसी भी ऑउटफिट के संग बना सकती हैं। यह सभी हेयरस्टाइल झटपट बनकर तैयार हो जाएंगी।

फिश टेल विद गजरा हेयरस्टाइल

गर्मियों में अधिकतर लोगों को बंधे हुए बाल की पसंद आते हैं। ऐसे में आपके लिए तस्वीर में नजर आ रही ये सिंपल सोबर सी हेयरस्टाइल बेस्ट रहेगी। यह हेयरस्टाइल लहंगे और साड़ी के लिए बेस्ट है। इसके लिए आपको सबसे पहले अपने बालों की फिश टेल बनानी है या आप चाहे तो नार्मल चोटी भी बना सकती हैं। इसके बाद आपको मार्केट से फ्रेश गजरा लेकर बालों में ऊपर की साइड टक करना है। इसके बाद एक क्रॉस करके दोबारा टक करें। इसके बाद गजरे को क्रॉस करते हुए थोड़ी-थोड़ी दूर पर लपेटते जाएं। फिर नीचे

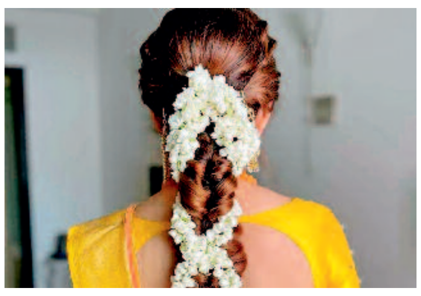

की ओर आखिरी छोर पर लपेटें। आपकी फिश टेल विद गजरा हेयर स्टाइल बनकर तैयार है।

बन विद गजरा हेयरस्टाइल

बन विद गजरा हेयरस्टाइल वैसे तो बहुत कॉमन है, लेकिन यह आज भी महिलाओं को काफी पसंद आती है। इसको साड़ी के संग पेयर करने के बाद लुक अलग ही खिलने लगता है। वहीं अगर त्योहारों का मौका है फिर तो बन विद गजरा हेयरस्टाइल परफेक्ट रहेगी। यह हेयरस्टाइल आपके लुक को ट्रेडिशनल टच देती है। इसको बनाने के लिए आप सबसे पहले बन बनाकर रेडी कर लें। इसके बाद गजरा लेकर बन के चारों तरफ लपेटकर टक कर देना है।

कार्नर न्यूज

अपनी त्वचा के रंग और टाइप को समझ कर ही करना चाहिए मेकअप

अपने स्किन टोन के हिसाब से सही मेकअप चुनना है तो पहले जानें फिट्जपैट्रिक स्केल को, निखरेगा रूप

नाइट पार्टी के लिए मेकअप करना अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि हर किसी की त्वचा का रंग, बनावट और अंडरटोन अलग होता है। आम तौर पर त्वचा के तीन प्रकार बताए गए हैं- गोरा, गेहुंआ, सांवला, लेकिन त्वचा विशेषज्ञ फिट्जपैट्रिक स्केल के अनुसार त्वचा को छह प्रकारों में बांटते हैं, जो मेलेनिन की मात्रा पर आधारित हैं। इसलिए एक ही मेकअप सभी पर सूट करे, यह संभव नहीं। नाइट पार्टी में दमकने के लिए आपको अपनी स्किन टोन को जानकर सही मेकअप करना होगा।

दूध-सी गोरी

टाइप-वन में सबसे हल्के रंग की त्वचा आती है। इस स्किन टोन की महिलाओं को मेकअप करते समय हल्के और सॉफ्ट शेड्स का चयन करना चाहिए। आप फाउंडेशन में आइवरी या पोर्सलेन शेड्स चुनें। ब्लश में पीच या लाइट पिंक शेड लगाएं। आईशैडो में न्यूड ब्राउन रंग चुनें। लिपस्टिक में रोज पिंक, कोरल या बेबी पिंक शेड्स को चुनकर नाइट पार्टी में खूबसूरती के साथ रात का चांद बनकर उभरें।

हल्के से मध्यम

टाइप-टू में हल्के से मध्यम रंग की त्वचा होती है। इस टोन की महिलाओं को फाउंडेशन के लिए बेज या लाइट न्यूट्रल शेड्स चुनने चाहिए। ब्लश में पीच या रोज टोन अच्छा रहता है। आईशैडो के लिए ब्राउन, मावे या गोल्डन शेड्स उपयुक्त हैं। लिपस्टिक में कोरल, रोज या म्यूटेड रेड शेड्स खूबसूरती निखारते हैं। त्वचा को धूप से बचाने के लिए एसपीएफ युक्त प्राइमर और फाउंडेशन सबसे अहम हैं।

मध्यम

टाइप-थ्री में मध्यम रंग की त्वचा शामिल है। इस स्किन टोन की महिलाएं नाइट पार्टी के लिए वॉर्म अंडरटोन वाले फाउंडेशन, जैसे हनी या कारामेल शेड्स चुनें। ब्लश के लिए म्यूटेड पीच या डीप कोरल रंग अच्छे हैं। आईशैडो में ऑलिव टोन सुंदर दिखेंगे। आप मैरून या रोजवुड शेड्स की लिपस्टिक लगाकर लुक को कंप्लीट करें।

मध्यम से गहरी

टाइप-फोर में मध्यम से थोड़ी अधिक गहरी त्वचा वाली महिलाओं को रखा गया है। ऐसी महिलाओं को मेकअप में गहरे और बोल्ड शेड्स चुनने चाहिए। फाउंडेशन में गहरे बेज या वॉर्म ब्राउन टोन, आईशैडो में गोल्डन, कॉपर/ डार्क ब्राउन शेड्स, ब्लश के लिए डीप रोज या बरगंडी रंग और अंत में डीप रेड शेड्स की लिपस्टिक से लुक को कंप्लीट करना चाहिए। आप सेटिंग स्प्रे से मेकअप को सेट जरूर करें।

गहरा भूरा रंग

टाइप-फाइव गहरे भूरे रंग की त्वचा को दर्शाता है। ऐसी महिलाओं को पार्टी लुक के लिए डार्क और चमकदार शेड्स चुनने चाहिए। फाउंडेशन में ब्राउन या डीप कैरामेल शेड आपके लिए बेस्ट रहेंगे। आईशैडो लगाना चाहती हैं तो गोल्ड या डीप शेड्स से आंखों को आकर्षक लुक दें। ब्लश में आप मैरून या बेरी टोन को चुनें और लिपस्टिक में डीप रेड, वाइन या प्लम शेड्स आपके लुक को खास बना देंगे। टाइप-सिक्स में आती है सबसे गहरे रंग की त्वचा। आप पर बोल्ड और कंट्रास्ट लुक सबसे खूबसूरत दिखता है। नाइट पार्टी के लिए आप फाउंडेशन में डीप एंबर या कॉफी शेड्स चुनें। आईशैडो में गोल्डन, ब्रॉन्ज या गहरे रंग, जैसे पर्पल और ग्रेनी ब्लैक इस्तेमाल करें।